अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष—12 अंक—197 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 16 नवम्बर 2023 पृष्ठ — 4 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवैध तमंचे से फायर करने वाले 3 गिरफ्तार

गोण्डा। जिले में मांगलिक कार्यक्रम में अश्लील गाना बजवाकर डांस करवाने से मना करने पर गाना बदलने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद में दबंग युवकों ने एक युवक पर जान से मारने की नीयत से अवैध तमंचे से फायर कर जानलेवा हमला कर दिया था। पीड़ित ने धानेपुर थाने में तहरीर देकर तीन लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। आज धानेपुर पुलिस ने अवैध तमंचे से फायर कर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से एक अवैध तमंचा और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। मामला धानेपुर थाना क्षेत्र के दत्तानगर माफी का है। 12 नवंबर को धानेपुर थाना क्षेत्र के दत्तनगर माफी गांव के रहने वाले रजित राम के यहां लड़के के बरही संस्कार कार्यक्रम में नाच थी। नाच में बार—बार गांव के बगल के ही रहने वाले तीन युवक गाना बदलवा—बदलवा कर डांस करवा रहे थे। जब परिवार के लोगों ने अश्लील गाना बजवाकर डांस करवाने से मना किया तो नाराज होकर के गांव के बगल के ही रहने वाले तीनों युवक सुनील कुमार,महेश व सौरभ सिंह ने अपने कमर में लगाए अवैध तमंचे को निकाल करके जान से मारने की नीयत से फायर किए और गाली गलौज करते हुए मारपीट करके फरार हो गए थे। पीड़ित राजित राम ने धानेपुर थाने में तहरीर देकर सुनील कुमार, महेश व सौरभ सिंह के खिलाफ जानलेवा हमले सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। धानेपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गाना बदलवाने को लेकर अवैध तमंचे से फायर कर मारपीट करने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त किए गए एक अवैध तमंचे और एक मोटरसाइकिल को बरामद किया है। आरोपी सुनील के खिलाफ पहले से ही तीन मुकदमे कई गंभीर धाराओं में जिले के अलग—अलग थानों में दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज प्रजापति ने बताया कि बीते रविवार को धानेपुर थाना क्षेत्र का दत्त नगर गांव में एक लड़के के बड़ी संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां कुछ लोगों ने फायरिंग करके व्यवधान डालने का प्रयास किया था। सूचना पर तत्काल पुलिस पहुंची थी और परिजनों से तहरीर लेकर के मुकदमा दर्ज किया था और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने कई टीम लगाई थी। धानेपुर पुलिस और लगाई गई टीमों ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से घटना में प्रयोग किया गया एक अवैध तमंचा और एक मोटरसाइकिल के साथ 6 कारतूस बरामद हुए हैं। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर धानेपुर पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

राममंदिर प्राण—प्रतिष्ठा के लिए तैयार,भव्य रोशनी में सोने जैसा निखर रहा, पिंक सैंड

अयोध्या। 22 जनवरी 2024 को श्रीरामजन्मभूमि पर बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण— प्रतिष्ठा होगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। इस महापर्व में केवल दो माह शेष रह गए हैं। इस बीच राम मंदिर का भूतल पूरी तरह बनकर तैयार है। फिनिशिंग और भव्य प्रकाश के बीच इसकी भव्यता देखते ही बनती है। श्री राम जन्मभूमि में निर्माणाधीन दिव्य मंदिर में 42 दरवाजे लगाए जाएंगे। इसके लिए महाराष्ट्र के चंद्रपुर व गडचिरोली के जंगलों में पाए जाने वाले सागौन की करीब 2 हजार सीएफटी लकड़ी से गर्भ गृह और भूतल में लगने वाले 14 दरवाजों का निर्माण किया जाएगा। दरवाजे बनाने के बाद अब उन पर सोने की परत का काम चल रहा है। दरवाजों के लिए इन लकड़ियों पर नक्काशी का काम हैदराबाद तेलंगाना में होना था, लेकिन तीर्थ क्षेत्र ने निर्णय लिया है कि लकड़ियों पर नक्काशी का काम अब साइट पर ही रामजन्म भूमि परिसर में कराया जाए। दरवाजों की खूबसूरत नक्काशी के लिए देश के लिए हैदराबाद चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ कारीगरों ने सेवा दी है। राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि दिसंबर 2023 में ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इस फ्लोर पर गर्भगृह समेत 5 मंडप जिनके नाम गुड़ी मंडप, नृत्य मंडप, रंग मंडप, कीर्तन मंडप हैं। इसके साथ ही मंदिर में प्रवेश करने के लिए सिंह द्वार का निर्माण हुआ है। मंदिर का गर्भगृह अष्टकोणीय है। जिसमें बीचों बीच पीछे की ओर भगवान रामलला के विराजने का आसन होगा। उनका कहना है कि मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया जा रहा है। उत्तर भारत में प्राचीन काल के मंदिर इसी शैली में बने हुए हैं। इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह में भगवान के बाल स्वरूप की एक बड़ी मूर्ति भी स्थापित हो रही है। ताकि श्रद्धालुओं को दूर से भगवान के दर्शन में आसानी हो।यह मूर्ति बाल स्वरूप कोमल दिखने वाली होगी जिसमें भगवान कमल पर विराजमान होकर दर्शन देंगे। डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि मंदिर के पहले तल का काम तेजी से हो रहा है। इसके खंभें लगभग बनकर तैयार हैं। दूसरे फ्लोर का काम 2024 में शुरू हो जाएगा। इस फ्लोर पर राम दरबार होगा। मंदिर में एक तीसरा फ्लोर भी बनेगा, लेकिन इस पर श्रद्धालुओं की इंट्री नहीं होगी। मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा होगा। रामनवमी के दिन भगवान राम का सूर्य तिलक से अभिषेक होगा। यानी सूर्य की किरण सीधे भगवान के ऊपर तक आएगी। यह किरण कैसे आएगी, इसके लिए IIT रुड़की के प्रोफेसर काम कर रहे हैं।

अब तबादले के लिए शिक्षकों को देनी होगी परीक्षा योगी सरकार करेगी नई व्यवस्था

लखनऊ। मनचाहे तबादले के लिए अब शिक्षकों को परीक्षा पास करनी पड़ेगी। सरकार शिक्षकों के स्थानांतरण प्रक्रिया में नया बिन्दु जोड़ने जा रही है। परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को मनचाहे स्कूलों में तैनाती के लिए अब कम्प्यूटर आधारित टेस्ट यानि बसीबीटी पास करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री अभ्यूदय एवं कम्पोजिट विद्यालयों के लिए श्रेष्ठ शिक्षकों का चयन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा।शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार यह नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। मेरिट के आधार पर शिक्षकों प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि मेरिट के आधार पर शिक्षकों को स्कूल आवंटित करने से शिक्षकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और वे अधिक से अधिक बेहतर परिणाम दे सकेंगे। जिलों में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा महानिदेशक विजय किरण आनन्द की माने तो परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी गई है। अगले महीने से ही इसे लागू किया

जाएगा। शुरुआत मुख्यमंत्री अभ्यूदय कम्पोजिट विद्यालयों से होगी। श्रेष्ठ शिक्षकों को चुनने के लिए परीक्षा ली जाएगी। सरकार प्रदेश के सभी जिलों में एक—एक मुख्यमंत्री अभ्यूदय विद्यालय खोलने जा रही है। प्रदेश के 24 हजार कम्पोजिट विद्यालयों में भी शिक्षकों के चयन के लिए सीबीटी का आयोजन किया जाएगा। हर साल शिक्षकों के मनचाहे स्थानांतरण के लिए भी इसी परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाएगा। प्रदेश में 1.39 लाख परिषदीय स्कूलों में इस समय 4. 55 लाख शिक्षक तैनात हैं। विभाग शिक्षकों को प्रशिक्षण देगा। शिक्षकों की कार्यक्षमता के साथ अध्यापन कौशल बढ़े इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग शिक्षकों को समय—समय पर सीबीटी से जुड़े मसलों पर प्रशिक्षण देगा। स्कूलों में शिक्षकों के अलावा शिक्षा मित्र एवं अनुदेशक भी शिक्षण कार्य में मदद करते हैं। ऐसे में परिषदीय विद्यालयों में अच्छा कार्य कर रहे शिक्षकों की प्रतिभा का प्रयोग कर शिक्षा का स्तर और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस व्यवस्था तैयार की जा रही है।

संपत्ति के लिए चाचा-दादी ने मिलकर मार डाला,बोरे में भरकर नदी में फेंका शव

बाराबंकी। जिले से एक बड़ी खबर है। यहां चाचा, चाची और दादी ने मिलकर संपत्ति के लिए युवक की हत्या कर दी। इसके बाद उसका शव बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया। मामा और मां को शक हुआ तो पुलिस से शिकायत की। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने नदी में युवक की तलाश शुरू की। मंगलवार दोपहर बाद पुलिस ने नदी से शव को बरामद कर लिया। 12 दिन तक बॉडी पानी में पड़ी रहने के कारण सड़ गई थी। युवक संपत्ति का अकेला वारिस था, इसी कारण उसकी हत्या की साजिश रची गई। इससे पहले युवक के पिता की भी हत्या की गई थी। युवक अपनी दादी के पास रह रहा था। मां की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। कार्रवाई की जा रही है। टिकैतनगर थाना क्षेत्र के बबुरिहा गांव निवासी अनीता की शादी 22 साल पहले सराय नेतामऊ गांव निवासी राजेंद्र वर्मा के साथ हुई थी। डेढ़ साल बाद अनीता ने एक पुत्र को जन्म दिया। उसका नाम अजय रखा। 9 सितंबर 2003 को विद्यानगर गांव में आरती के पति राजेंद्र की हत्या हो गई। अनीता बच्चे को छोड़कर मायके आ गई तो परिजनों ने उसका दूसरा विवाह मुरारपुर गांव में राजकुमार के साथ कर दिया। आरती का बेटा अजय अपने दादी के पास ही रहने लगा। अनीता ने बताया कि "कुछ साल पहले एक रिश्तेदार के जरिए उसकी बात सराय नेतामऊ गांव में रह रहे उसके बेटे अजय से हुई, जिसके बाद अजय कई बार मां के पास मुरारपुर आया। करीब 20 साल का अजय मां को बताता था कि चाचा कल्लू उर्फ राजेश बहुत मारते हैं। दिनभर काम करवाते हैं और कभी—कभी खाना तक नहीं देते। कुछ दिन पहले अजय की कोठरी से सारा सामान निकाल लिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। 12 दिन पहले तक आरती की फोन पर बेटे अजय से बात होती रही। लेकिन इसके बाद बात होनी बंद हो गई। जिसके बाद भाई राकेश को यह बात बताई। बहन अनीता के कहने पर राकेश सराय नेतामऊ गांव पहुंचा। भांजे अजय के बारे में पता किया। यहां उसे अजय नहीं मिला। उसने आसपास के लोगों से पता किया तो उसे कुछ अनहोनी का शक हुआ। इसके बाद उसने यह बात बहन को बताई। इसके बाद आरती ने संपत्ति के लालच में अजय की हत्या करने का आरोप लगाया और अजय के चाचा कल्लू उर्फ राकेश, चाची पूजा वर्मा व दादी जमुना देवी के खिलाफ मंगलवार को टिकैतनगर पुलिस को तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। पूछताछ के बाद सरयू नदी के लोढ़ेमऊ घाट के पास नदी में छानबीन शुरू की।मंगलवार दोपहर बाद बोरे में भरा युवक का शव बरामद हो गया। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। आरोपियों ने अजय की छह नवंबर को रात को हत्या कर दी थी। इसके बाद सात नवंबर को सुबह उसका शव बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया। अजय अपने मृतक पिता की संपत्ति का वारिस था। उसे रास्ते से हटाने के लिए चाचा ने सारी साजिश रची। हत्या के बाद गांव में खबर फैला दी कि अजय ने फंदे से लटक कर जान दे दी है। देवर, देवरानी व सास पर हत्या का केस दर्ज होने के बाद आरती बेहाल है। बेटे की हत्या हो गई, उसे विश्वास ही नहीं हो रहा है। एएसपी दक्षिणी अखिलेश नारायण सिंह ने बताया कि युवक की हत्या के मामले में उसके चाचा, चाची व दादी के खिलाफ हत्या व सबूत मिटाने का केस दर्ज कर लिया गया है। युवक की मौत के बाद उसकी मां को भी कोई सूचना नहीं दी गई, जिससे मां को एक सप्ताह बाद इस संबंध में पता चला। इस मामले में और कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। कार्रवाई की जा रही है।

दीया रखने गई थी युवती, मुस्लिम युवक ने की छेड़खानी

बस्ती। जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में दीया रखने गई युवती से पहले तो मुस्लिम युवक ने छेड़खानी की, जब भाई ने इसका विरोध किया तो उसने पीड़िता के गाल पर काट लिया। जिसके चलते वह जख्मी हो गई। पीड़ित घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों के साथ युवती ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है। पीड़िता के भाई ने बताया कि उनकी 18 साल की बहन दीया रखने के लिए घर से बाहर गई थी। रास्ते में मुस्लिम युवक अली हुसैन पुत्र आफताब अली ने उनकी बहन से छेड़खानी की, जब उसने उसका विरोध किया तो युवक ने उसके गाल पर काट लिया। जिसके चलते वह जख्मी हो गई। कहा कि बहन जोर—जोर से चिल्लाने लगी। जिसके बाद युवक मौके से फरार हो गया। प्रकरण को लेकर विश्व हिंदू महासंघ के अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि यह गंभीर विषय है। ऐसे अपराधी पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दोषी युवक को गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो विश्व हिंदू महासंघ आंदोलन को बाध्य होगा। अखिलेश ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के राज में इस तरह की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरा विश्व हिंदू परिवार पीड़ित परिवार के साथ है। प्रकरण को लेकर एसओ दुबौलिया नारायण लाल श्रीवास्तव से जब बात की गई, तो उन्होंने कहा कि तहरीर मिली है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

यूपी में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में खिलाड़ियों को मिलेगा इलाज

लखनऊ। यूपी के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अब खिलाड़ियों को भी इलाज मिलेगी। इसके लिए सभी मेडिकल कॉलेजों में स्पोर्ट्स इंजरी विभाग खुलेगा। इसमें खेल—कूद के दौरान लगने वाली चोट का इलाज मिलेगा। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के मानकों के आधार पर विभाग या यूनिट का संचालन किया जाएगा। इसके लिए कॉलेज प्रशासन से जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि कुश्ती, क्रिकेट, हॉकी, वॉली बॉल, फुटबॉल समेत दूसरे खेलकूद की गतिविधियों में खिलाड़ियों को चोट लग जाती है। समुचित इलाज के लिए खिलाड़ियों को काफी भटकना पड़ता है। इसमें खिलाड़ियों का काफी समय बेकार हो जाता है। समय पर इलाज न मिलने से काफी दिक्कतें होती हैं। सभी मेडिकल कॉलेजों में खिलाड़ियों को इलाज मिलने से काफी राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आम जनमानस के साथ प्रदेश के खिलाड़ियों को भी बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। इसमें ऑपरेशन तक की सुविधा उपलब्ध होगी। इस दिशा में मेडिकल संस्थानों को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा। केजीएमयू व दूसरे संस्थानों में प्रशिक्षण हासिल कर सकेंगे।

सुब्रत रॉय का पार्थिव शरीर लखनऊ लाया गया, अमर रहे के नारे लगे

लखनऊ। सहारा ग्रुप के चेयरमैन सहाराश्री सुब्रत रॉय का पार्थिव शरीर बुधवार शाम चार्टर प्लेन से लखनऊ लाया गया। यहां सहारा शहर में शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। लखनऊ में ही उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी जाएगी। सहारा शहर के बाहर बड़ी संख्या में करीबी अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे हैं। सहारा इंडिया परिवार के सदस्यों ने सहाराश्री अमर रहे के नारे लगाए। गुरुवार सुबह 10 बजे बैकुंठ धाम में अंतिम संस्कार होगा। सुब्रत रॉय का मंगलवार रात 10.30 बजे मुंबई में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। सहारा इंडिया ग्रुप ने बताया कि सुब्रत रॉय सहारा को मेटा स्टैटिक मेलिगनेंसी, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या थी। कार्डियोरेस्पिरेटरी अरेस्ट के कारण उनका निधन हुआ। वे 12 नवंबर से कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल और मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (केडीएएच) में भर्ती थे। सहारा इंडिया परिवार के अधिकारी पीके पालित ने बताया, सहाराश्री हम लोगों के गार्जियन थे। उनके दिल में मानवता थी। उन्होंने कभी भी धनबल को मजबूत नहीं समझा। श्रम बल को उन्होंने पहचाना। इसी के चलते सहारा इंडिया परिवार किसी जमाने में पूरे भारत में सबसे ज्यादा नौकरी देकर सबको सहारा दिया। आज बहुत बड़ी क्षति हुई है। शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सुब्रत रॉय का जन्म 10 जून 1948 को बिहार के अररिया में हुआ था। कोलकाता के होली चाइल्ड स्कूल से शुरूआती शिक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने राजकीय तकनीकी संस्थान गोरखपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। सहाराश्री ने साल 1978 में गोरखपुर से अपना व्यवसाय शुरू किया और सहारा इंडिया परिवार की स्थापना की। साल 2012 में इंडिया टुडे पत्रिका ने सुब्रत रॉय को भारत के 10 सर्वाधिक अमीर लोगों में शामिल किया था। आज सहारा समूह हाउसिंग, एंटरटेनमेंट, मीडिया, रिटेल और वित्त सेवाओं जैसे तमाम क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सहारा समूह के पास जून—2010 तक लगभग 1,09,224 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति थी। सुब्रत ने करियर की शुरुआत नमकीन स्नैक्स बेचने से की थी। वह अपनी लंब्रेटा स्कूटर पर जया प्रोडक्ट के नाम से स्नैक्स बेचते थे। साल 1978 में उन्होंने गोरखपुर में एक छोटे से ऑफिस से सहारा की नींव रखी। रॉय के नेतृत्व में, सहारा ने कई व्यवसायों में विस्तार किया। रॉय का साम्राज्य एयरलाइंस, फाइनेंस, रियल एस्टेट, मीडिया और हॉस्पिटैलिटी से लेकर अन्य सेक्टर्स में फैला हुआ था। सहारा ग्रुप ने 1992 में हिंदी भाषा का समाचार पत्र राष्ट्रीय सहारा लॉन्च किया। 1990 के दशक के अंत में पुणे के पास लग्जरी एम्बी वैली सिटी परियोजना शुरू की। सहारा चौनल के साथ टीवी इंडस्ट्री में घुसे। 2000 के दशक में, सहारा ने लंदन के ग्रोसवेनर हाउस होटल और न्यूयॉर्क शहर के प्लाजा होटल जैसी प्रतिष्ठित संपत्तियों के अधिग्रहण के साथ अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बटोरीं। पटना हाईकोर्ट में सहारा इंडिया के खिलाफ लोगों के पैसों का कई सालों से भुगतान नहीं करने का एक मामला चल रहा है। लोगों ने ये पैसे कंपनी की कई स्कीमों में लगाए थे। इस केस में पटना हाईकोर्ट के गिरफ्तारी के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। साथ ही उनके खिलाफ आगे किसी तरह की कार्रवाई को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। सुब्रत रॉय के खिलाफ इसी तरह का एक मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहले से चल रहा है। जिसमें वह जमानत पर बाहर थे। वहीं, निवेशकों के पैसे लौटाने को लेकर सहारा इंडिया का दावा है कि वह सारी रकम सेबी के पास जमा करा चुके हैं। सुब्रत रॉय के दो बेटे शुशांतो रॉय और सीमांतो रॉय हैं। 2004 में सुब्रत रॉय ने अपने दोनों बेटों की शादी लखनऊ के एक स्टेडियम में की थी। जिस पर करीब 500 करोड़ रुपए खर्च किए थे। इस शादी में सियासी, ग्लैमर, खेल और कारोबारी जगत की हस्तियों ने शिरकत की थी। अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या रॉय, अनिल अंबानी और मुलायम सिंह जैसी हस्तियां इसमें शामिल हुई थी। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा—सहारा समूह के प्रमुख श्री सुब्रत रॉय जी का निधन अत्यंत दुःखद है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति दें। अखिलेश यादव ने सुब्रत रॉय के निधन पर एक्स पर तस्वीर शेयर कर श्रद्धांजलि दी, उन्होंने लिखा—"सहारा श्री सुब्रत रॉय जी का निधन उत्तर प्रदेश और देश के लिए भावात्मक क्षति है। क्योंकि वो एक अति सफल व्यवसायी के साथ—साथ एक ऐसे अति संवेदनशील विशाल हृदय वाले व्यक्ति भी थे। जिन्होंने अनगिनत लोगों की सहायता की, उनका सहारा बने. भावभीनी श्रद्धांजलि! शिवपाल यादव ने सुब्रत रॉय के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा—सहाराश्री सुब्रत रॉय जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है. ईश्वर दिवंगत की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें. भावपूर्ण श्रद्धांजलि!

दीपोत्सव पर परमात्मा के प्रकाश से रौशन हुए जीवन के मार्ग

लखनऊ। प्रभु भक्ति से प्रेरित विचार जीवन के अंधियारे समाप्त कर देते हैं। प्रभु के सिमरन से मन में उपजे विचार मनुष्य के जीवन में शांति और ठहराव लाते हैं। दीपावली के मौके पर लखनऊ में विक्रम नगर स्थित स्वामी दिव्यानंद धर्मार्थ चिकित्सालय में देवेंद्र मोहन भैयाजी का सत्संग हुआ। भैयाजी ने संगत से कहा कि मनुष्य जीवन बहुत खास है। परमात्मा की प्राप्ति के लिए अंतर्मुखी साधना यानी अंतर साधना से जुड़ना जरूरी है। 24 घंटे बहिर्मुखी साधनों में रहने से हमें परमात्मा की प्राप्ति नहीं हो सकती। बहिर्मुखी साधनों जैसे 2 मिनट दिया जलाना, 2 मिनट आंख बंद करके बैठना आसान है परंतु मन को एकाग्र करके बैठना मुश्किल है। संसार के कोई भी काम कीजिए तो माफ है लेकिन यदि हम खुद से नहीं जुड़े तो मनुष्य जीवन व्यर्थ है। संत का जन्म तो मानव को खुद से जोड़ने के लिए होता है। वही हमें मन को स्थिर करना और जीवन के सच्चे उद्देश्य से जोड़ने के लिए बताते हैं। भैयाजी ने अपने सत्संग में कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को भव्य राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। ये मौका छ सौ साल की तपस्या के बाद आया है। सनातनी हमेशा अपने गुरु के दिखाए मार्ग पर चलते आए हैं। भैयाजी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की बागडोर भी इस समय एक योगी के हाथ में है। योगी आदित्यनाथ जो गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं उन्होंने अपने गुरुओं के संकल्प को पूरा करते हुए अयोध्या में ना सिर्फ भव्य दीपोत्सव की शुरुआत की बल्कि प्रदेश में रामराज लाने के लिए अपने गुरुओं की शिक्षाओं का ही सहारा लिया। भैयाजी ने गुरु कृपा का महात्म बताते हुए कहा कि यह जीवन परमात्मा से जुड़ने के लिए है। देवी—देवता भी मानव जन्म के लिए तरसते हैं। मनुष्य जीवन भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि आध्यात्म को कमाने के लिए है। शरीर की बड़ाई सत्य को जानने के लिए है। आधे से ज्यादा समय गुजर चुका है, जो कमाया उसे चले जाना है। इस संसार को एक चेतन धारा चला रही है। उस चेतन धारा को जीते जी जान लेना ही जीवन हैं। जीवन चेतना की यह अमृत धारा स्वामी दिव्यानंद जी महाराज के आध्यामिक उत्तराधिकारी देवेंद्र मोहन भैया जी के सत्संग में भक्तों पर खूब बरसी।भक्तिभाव से भरे सत्संगियों के बीच स्वामी जी को याद करते हुए भैया जी ने कहा कि इस मन को भागने से रोकना है। इसके लिये प्रतिदिन जब हम गुरु पर भरोसा करके प्रयास करते हैं तब जाकर एकाग्रता आनी शुरू होती है। जीवन में गुरु पर भरोसा होना चाहिए। भरोसा करके गुरु नाम से जुड़ना चाहिए। उस पर भरोसा करने से हमें निर्भय पद प्राप्त होता है। जीवन में संतों की संगत और सत्संग बहुत जरूरी है। कृपाल सिंह जी महाराज कहते थे—जब हम गुरु की शरण में आ जाते हैं तो भरोसा धीरे—धीरे बनना शुरू हो जाता है। गुरु से जुड़ने से ही जीवन का महत्व समझ आता है। गुरु के पास समय व्यतीत करने पर हम शुभ कार्य शुभ कर्म करते हैं। देवेंद्र मोहन भैया जी ने संगत को संकल्प कराया कि प्रतिदिन आधा घंटा ही प्रभु के आगे समर्पित होना है। ऐसा करने से हमारा भरोसा बढ़ता जाएगा। हमारे आध्यात्मिक कार्य से लेकर अन्य कार्य भी सुगमता से बनने लगेंगे। लखनऊ में भैयाजी के सत्संग आयोजन में समस्त साध संगत के साथ साथ सहज राम, शिव कुमार, राज किशोर, श्याम लाल, राज कुमार, रतन लाल, राजाराम, राकेश, अवधेश, बृजेश, अमित श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार के साथ महेश भाई और उनके सहयोगियों ने लंगर व्यवस्था में योगदान दिया।

सम्पादकीय

एमएसपी खरीद व्यवस्था में सेंध लगाकर बिचौलिये किसानों को नुकसान पहुँचा रहे हैं

केंद्र सरकार ने हाल ही में रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी है। पिछले कुछ सालों से बुवाई के समय ही फसलों के एमएसपी की घोषणा करना अच्छी परंपरा मानी जा सकती है। इससे किसान भी कौन–सी फसल लेनी है इसका निर्णय आसानी से कर पाते हैं। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छह फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की मानें तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 102 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 52 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है।

सरकार की मानें तो लागत में खाद–बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। पर यक्ष प्रश्न यही है कि फसल आने के बाद किसान को यह मूल्य मिलेगा ही इसकी क्या गारंटी है? सारा झगड़ा इसी को लेकर है कि एमएसपी घोषित होते ही ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए कि किसान को उसकी फसल का सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य तो मिल ही जाए। यदि इस तरह की फूलप्रूफ व्यवस्था लागू हो जाए तो किसानों को सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दरअसल सब कुछ होने के बाद भी किसान आज भी ठगा महसूस करता है। यही कोई डेढ़ दो माह पुरानी बात होगी जग आम नागरिकों को टमाटर दो सौ रुपए से भी अधिक में खरीदना पड़ा आज वहीं टमाटर मण्डियों में दस रुपए के आसपास आ गया है। अब प्रश्न यह है कि टमाटर के दो सौ रुपए होने का लाभ आखिर ना तो उत्पादक किसान को मिला और ना ही आम नागरिकों को मिला। ऐसे में दोनों ही ठगे महसूस करते रह गए, सरकार की किरकिरी हुई वह अलग।

देश में 1966–67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाने का निर्णय किया। केन्द्र सरकार द्वारा सीएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी। आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना की सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो अब हरियाणा सरकार भी केरल की तरह हरियाणा में भी सब्जियों का बेस मूल्य तय कर कर रही है।

2004 में एमएस स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फार्मूला सुझाते हुए सुझाव दिया कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। एमएसपी की सिफारिश करते समय सीएसीपी द्वारा देश के अलग–अलग हिस्सों में फसल के अनुसार प्रति हैक्टेयर लागत, खेती के दौरान अन्य खर्चों, भण्डारण की स्थिति, विदेशों में उपलब्धता आदि पैमाने पर आकलन कर प्रत्येक फसल की एमएसपी की सिफारिश की जाती है। 2004 में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने 2018–19 में उत्पादन लागत से कम से कम डेढ़ गुणा अधिक मूल्य घोषित करने का निर्णय किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा एमआईएस यानी कि बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत एमएसपी के दायरे में नहीं आने वाली फसलों की खरीद की व्यवस्था करती आई है। राजस्थान में लहसुन की खरीद, प्याज की खरीद आदि इसका उदाहरण है। इस साल रबी फसलों के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार ही न्यूनतम 52 प्रतिशत से 102 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। रबी सीजन में सर्वाधिक असर गेहूं और सरसों पर पड़ता है और इसी को ध्यान में रखते हुए गेहूं की एमएसपी लागत की तुलना में 102 प्रतिशत और सरसों की लागत की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक घोषित की गई है। सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के अनुसार गेहूं के 2275 रु., सरसों की 5650 रु., मसूर की 6425 रु., चना की 5440 रु., जौ की 1850 रु. और कुसुम की 5800 रु. प्रति क्विंटल घोषित किया गया है।

यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारू संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है, देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फेडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत की जाती रही है। किसी समय यह सामान्य धारणा व वास्तविकता थी कि बाजार में जब भी किसी फसल के भाव एमएसपी से नीचे आने लगते तो राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों द्वारा खरीद की घोषणा करने मात्र से बाजार में भावों में हल्की तेजी तो तत्काल देखने को मिल जाती थी। इसी तरह से यह वास्तविकता भी थी कि एमएसपी पर खरीद शुरू करने के समय यह माना जाता था कि कुल उत्पादन का अधिकतम 25 से 30 प्रतिशत तक खरीद होते होते बाजार में उस फसल के भाव एमएसपी के बराबर या अधिक आ जाएंगे और वास्तविकता तो यह रही कि दस से 15 प्रतिशत तक खरीद होते होते मण्डियों में भाव लगभग एमएसपी के आसपास आ ही जाते थे। पर करीब एक दशक से स्थितियों में तेजी से बदलाव आया है। मानें या ना मानें पर यह काफी हद तक सही है कि एमएसपी खरीद व्यवस्था में अब निजी खरीददारों की भागीदारी बढ़ गई है। इस आरोप को सिरे से नकारा नहीं जा सकता कि छोटे किसानों से उनकी फसलों को कम दामों में खरीद कर उनके नाम से एमएसपी पर खरीद केन्द्रों पर बेच कर किसान के नाम पर उसका लाभ बिचौलिए लेने लगे हैं। यही कारण है कि इस तरह के उदाहरण आम हैं कि कई स्थानों पर उस क्षेत्र में कुल पैदावार से भी अधिक की खरीद एमएसपी पर देखने को मिल जाती है।

दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सेंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाईन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिए अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रूफ बनाना सुनिश्चित कर दें और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आरंभ हो जाए तो निश्चित रूप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा–पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सेंध लगाई गई है, उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक हैं। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना पड़ेगा कि जब तक किसान की पूरी फसल बाहर नहीं आ जाती तब तक क्या कारण है कि बाजार में उस फसल के भाव एमएसपी के बराबर नहीं आते। इसका पर्दे के पीछे का खेल यही लगता है कि बिचौलियों ने इसका तोड़ निकाल लिया है और वह यह कि किसान से उसकी फसल और डिटेल ले लेते हैं और फिर किसान के नाम से लाभ यह ताकतें ले जाती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्षेत्र में उत्पादित फसल से अधिक खरीद के आंकड़े मिलना आम होता जा रहा है। ऐसे हालात में सरकार का और अधिक दायित्व हो जाता है ताकि व्यवस्था को प्रभावित करती ताकतों को बाजार से हटाया जाये।

डॉग बाइट पर मुआवजा

आए दिन कुत्ते के काटने की घटनाओं में वृद्धि के चलते इस बाबत समाज में लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। अब इस मामले में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि कुत्तों के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को समय से मुआवजा मिलना सुनिश्चित किया जाए। दरअसल, इस तरह के मामलों में बढ़ती शिकायतों के बाद कोर्ट ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि ये मामले इतने बढ़ गये हैं कि लोगों को कोर्ट आने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजे देने के लिये राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी। कोर्ट ने हरियाणा व पंजाब सरकारों एवं चंडीगढ़ प्रशासन को निर्देश दिया कि मुआवजा तय करने के लिये समिति बनायी जाए। समितियां जिलों के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में बनेंगी। पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन करने के उपरांत जांच की जाए तथा चार माह की अवधि में पीड़ित को मुआवजा मिल जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजे के लिये सरकारें जवाबदेह हैं। साथ ही राज्य को डिफॉल्ट एजेंसी व व्यक्ति से इसकी वसूली का अधिकार रहेगा। कुत्ते के काटने पर दिया जाने वाला न्यूनतम मुआवजा दस हजार रुपये होगा। वहीं शरीर पर घाव की स्थिति में मुआवजा उसकी गहराई के आधार पर न्यूनतम बीस हजार रुपये तय होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने सड़कों को आवारा जानवरों से मुक्त रखने के भी निर्देश दिये। कोर्ट ने आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से होने वाली मौतों पर दुख जताया। यह भी कहा कि इसका मानव जीवन पर असर पड़ रहा है। आवारा पशुओं का सड़कों पर कब्जा करना चिंताजनक हैं। अब सरकार को यह बोझ उठाना चाहिए और पीड़ितों को राहत मिलनी चाहिए। यह भी कि आवारा व जंगली जानवरों के सड़कों पर आने से होने वाली दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इलाके में स्थित थाने के एसएचओ को इस बाबत रोज रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। बाद में पुलिस अधिकारी दावे की जांच करके पीडिध्त को मुआवजा दिलाए। निस्संदेह, अदालत की यह पहल एक सराहनीय कदम है। ऐसे मामलों में कुत्ता पालने वाले लोगों से मुआवजा वसूलना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अकसर देखा जाता है कि ऐसे लोग प्रभाव का इस्तेमाल करके मुआवजा देने से बच जाते हैं। इतना ही नहीं पार्क व अन्य स्थानों में पालतू जानवरों को घुमाने वाले लोग सार्वजनिक स्वच्छता का ध्यान भी नहीं रखते और ये जगह–जगह गंदगी फैलाने लगते हैं। विदेशों में सख्त प्रावधान है कि पालतू जानवर के गंदगी फैलाने पर उसको उठाने की जिम्मेदारी कुत्ते के मालिक की होती है। लेकिन भारत में गली–चौराहे में गंदगी फैलाना लोग अपना अधिकार मान लेते हैं। निश्चित रूप से यदि पालतू कुत्ते किसी को काटते हैं तो मालिक की जिम्मेदारी तय करते हुए मुआवजा की वसूली उससे की जानी चाहिए। यहां सवाल आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों का भी पैदा होता है। घर का कमाऊ व्यक्ति यदि रैबीज संक्रमण से मर जाता है तो उसके परिवार का क्या होगा? अब यदि कोर्ट ने काटने पर मुआवजा तय किया है तो व्यक्ति की मौत पर भी पीड़ित परिवार के लिये मुआवजा तय किया जाना चाहिए। विडंबना यह भी है कि अक्सर आवारा जानवरों के हमलों का शिकार बुजुर्ग व बच्चे ही होते हैं क्योंकि वे अपना बचाव करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में यह भी जरूरी हो जाता है कि मुआवजे के साथ ही पीड़ित व्यक्ति के महंगे इलाज का खर्च भी सरकार वहन करे। साथ ही सस्ते मूल्य पर रैबीज के टीके उपलब्ध कराये जाएं ताकि पीड़ित गरीब व्यक्ति को दोहरी मार से राहत मिल सके। निस्संदेह, सदियों से कुछ जानवर मनुष्य के सहचर रहे हैं, लेकिन बदलती परिस्थितियों में वे ही लोगों के लिये समस्या की वजह बन गए हैं। वहीं पारिस्थितिकीय संतुलन के लिये भी जरूरी है कि मनुष्य के सहचर जीव–जंतु अपना अस्तित्व बनाये रखें। जरूरत इस बात की भी है कि बदले हालात में उनके अस्तित्व को बनाये रखने के साथ ऐसी व्यवस्था हो कि वे किसी व्यक्ति के जीवन पर संकट का वाहक न बनें।

और कितने हादसे देखेंगे पहाड़!

पहाड़ों के साथ छेड़छाड़ का एक और नतीजा बड़े हादसे के रूप में सामने आया है जिसमें उत्तराखंड स्थित उत्तरकाशी के बड़कोट में एक निर्माणाधीन सुरंग धसक गयी। उत्तरकाशी में ब्रह्मखाल–यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलक्यारा से डंडालगांव के बीच यह सुरंग बन रही है। इसमें करीब 40 मजदूर फंसे हुए हैं जिन्हें सुरक्षित निकालने के लिए पिछले 3 दिनों से प्रयास हो रहे हैं। केन्द्र के एनडीआरएफ तथा राज्य के एसडीआरएफ समेत अनेक विशेषज्ञ टीमें मलबे को हटाकर उन्हें निकालने हेतु प्रयासरत हैं। सुरंग के अंदर फंसे ज्यादातर प्रवासी मजदूर हैं– मुख्यतरू उत्तर प्रदेश के। आशा है कि बचाव टीमें इन्हें सुरक्षित निकालने में कामयाब होंगी। बताया गया है कि सुरंग के भीतर फंसे हुए मजदूर सुरक्षित हैं। वॉकी टॉकी के माध्यम से रेस्क्यू टीम का उनसे संपर्क बना हुआ है। उत्तरकाशी की मिट्टी बहुत नर्म है। इसके चलते ऊपर से चट्टानें, मिट्टी आदि लगातार नीचे गिर रही है। इसके कारण भी बचाव कार्य में बड़ी दिक्कतें आ रही हैं। पहाड़ों के साथ जैसा व्यवहार मनुष्य की ओर से हो रहा है उसका एक और उदाहरण इस हादसे के रूप में सबके सामने है। अब यह सोचने का वक्त आ गया है कि किस तरीके से पहाड़ों में विकास कार्य किये जायें कि प्रकृति को न्यूनतम नुकसान हो और कम से कम ऐसे दर्दनाक हादसे तो न ही घटें। उल्लेखनीय है कि इसी साल की जनवरी में जोशीमठ में कई जगहों पर जमीनों पर बड़ी–बड़ी दरारें पड़ गईं। अनेक घरों में भी दरारें आई हैं जिसके कारण सैकड़ों लोगों ने जोशीमठ ही छोड़ दिया है। उन्हें अस्थायी शिविरों में शरण लेनी पड़ी थी। आज भी यहां के लगभग 700 मकानों में दरारें देखी जा सकती हैं। यह कस्बा एक तरह से खाली हो गया है। पिछले साल अक्टूबर में उत्तरकाशी के ही भटवाड़ी इलाके में द्रौपदी के डांडा–2 पर्वत शिखर पर जोरदार बर्फीला तूफान आया था। इससे 34 पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी। इनमें 25 प्रशिक्षु थे जबकि 2 प्रशिक्षक थे। 2013 में केदारनाथ की त्रासदी को कोई नहीं भूल सकता। यह हाल के वर्षों में उत्तराखंड की सर्वाधिक बड़ी त्रासदी मानी जाती है जिसमें पता नहीं कितने लोगों की मौत हो गई थी। आज तक यह ठीक–ठीक नहीं बताया जा सकता कि कितने लोग मारे गये। अक्टूबर 1991 में जोरदार भूकंप आया था जिससे करीब एक हजार लोग मारे गये थे। हजारों मकान भी पूरी तरह से बर्बाद हो गये थे। तब यह अविभाजित उत्तर प्रदेश का हिस्सा था। ऐसे ही, काफी पहले पिथौरागढ़ जिले का माल्पा गांव भूस्खलन के चलते पूरी तरह से उजड़ गया था। इस हादसे में 255 लोगों की मौत हुई थी जिनमें कैलाश मानसरोवर जाने वाले 55 से ज्यादा श्रद्धालु थे। चमोली जिले में रिएक्टर स्केल पर 6.8 की तीव्रता वाले भूकंप के चलते 100 से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इससे सटे हुए जिले रुद्रप्रयाग में भी भारी नुकसान हुआ था और अनेक घरों, सड़कों तथा जमीनों में दरारें आई थीं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश समेत पूरी हिमालयीन पर्वत श्रृंखला अपेक्षाकृत पृथ्वी पर होने वाला नया प्राकृतिक निर्माण है। कुछ ही स्थलों को छोड़ दें तो कम आयु की यह पर्वतमाला ज्यादातर स्थलों पर कच्ची है। भूवैज्ञानिकों के अनुसार इसका निर्माण अब भी जारी है। उसमें भी उत्तराखंड की मिट्टी तो और भी भुरभुरी होने के कारण पृथ्वी की परतों के नीचे होने वाली हलचलों का असर हिमाचल प्रदेश के साथ इसी क्षेत्र में सर्वाधिक पड़ता है। नेपाल में बार–बार आने वाले भूकम्पों का कारण भी यही भूगर्भीय हलचलें हैं। ये पहाड़ अपनी खूबसूरती के कारण देश–विदेश से करोड़ों लोगों को आकर्षित करते हैं। दरअसल उसके दिलकश नजारे ही उसके लिये अभिशाप बन गये हैं क्योंकि उनका आनंद लेने के लिये बड़ी संख्या में आने वालों के लिये ही निर्माण कार्य हो रहे हैं। यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हुए निर्माण कार्यों को यहां की आपदाओं के लिये प्रमुख रूप से दोषी बताया जाता है। जगह–जगह बनने वाले होटल, मकान, बहुमंजिला इमारतें, व्यवसायिक परिसर, रिसोर्ट्स, होमस्टे आदि के कारण जमीनों का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से बदल दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय सीमाएं लगने के कारण इस पूरे क्षेत्र का सैन्य महत्व भी है। सीमाओं पर चौकसी व उनकी सुरक्षा के लिये बड़ी सड़कें, पुल, सुरंगें आदि बनाई जाती हैं। इनसे भी पहाड़ों को नुकसान पहुंचता है। इन पहाड़ों में पनबिजली उत्पादन की भी अपार सम्भावनाएं हैं क्योंकि पर्वतों से निकलने वाली नदियों और नालों से बिजली संयंत्रों को पानी मिलता है। इसके लिये पानी के बहाव को मोड़ा गया है, बांध बने हैं, सुरंगें बनी हैं एवं विशाल निर्माण हुए हैं जिनसे बड़ी तादाद में बने विद्युत संयंत्रों को जल की आपूर्ति होती है। हाल के वर्षों में सरकारों द्वारा नयी सड़कें या उनका चौड़ीकरण, पुल, सुरंग आदि का निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके लिये होने वाले विस्फोटों व मशीनों के कारण भी पहाड़ों को भारी नुकसान होता है। इससे जलवायु में भी परिवर्तन हो रहा है। अब तो पहाड़ों के ऋ तु चक्र में तक बदलाव दर्ज हो रहे हैं। ऊपरी इलाकों में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने के कारण इन पहाड़ों से निकलने वाली नदियों का जल स्तर बढ़ने तथा भूगर्भीय जल के कारण सतह के ऊपर बड़ी टूट–फूट हो रही है। नये–नये निर्माण कार्यों के परिणाम ऐसी ही त्रासदियों एवं हादसों के रूप में सामने आ रहे हैं। विकास की आवश्यकता से कोई इंकार नहीं कर सकता लेकिन इन त्रासदियों एवं हादसों को देखते हुए नियंत्रित व वैज्ञानिक तरीके से निर्माण किये जाने चाहिये।

महुआ मोइत्रा और ममता दीदी

तृणमूल कांग्रेस की नेता सुश्री महुआ मोइत्रा को इस पार्टी की नेता ममता दीदी ने प. बंगाल के नदिया जिले का पार्टी अध्यक्ष बना दिया है। इसे लेकर राजनीतिक क्षेत्रों में इस वजह से आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है क्योंकि महुआ मोइत्रा पर संसद में प्रश्न पूछने के मामले में भाजपा सांसद निशिकान्त दुबे ने जिस प्रकार के आरोप लगाये और उन पर एक संसद सदस्य के रूप में अनुचित आचरण करने की बात कही, उन्हें लेकर संसद की आचार समिति ने जांच की और अपनी तुरत–फुरत की गई जांच में इसने पाया कि सुश्री महुआ ने अपने सांसद के रूप में प्राप्त किया गया अपना इंटरनेट का लॉगइन पासवर्ड अनधिकृत रूप से एक पूंजीपति दर्शन हीरा नन्दानी को दिया। हीरा नन्दानी ने इस पासवर्ड का उपयोग करके महुआ मोइत्रा को संसद में कुछ सवाल पूछने के लिए भेजे जिन्हें उन्होंने लोकसभा में पूछा भी। आचार समिति ने महुआ के इस आचरण को गंभीर अपराध की श्रेणी में रखते हुए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तक से जोड़ दिया और बहुमत से फैसला किया कि उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी जाये परन्तु राजनीति ऐसा विज्ञान माना जाता है जिसमें ऊपर से दिखाई पड़ता है वह शत– प्रतिशत भीतर से नहीं होता है। सुश्री मोइत्रा ने आचार समिति की जांच का बीच में ही बहिष्कार यह कहते हुए किया कि उनसे जो सवाल पूछे गये वे उनके निजी जीवन के बारे में इस तरह के थे कि किसी भी स्त्री को उनका विवरण देते हुए लाज व शर्म लगेगी। उन्होंने इसे अपने 'वस्त्र हरण' के समकक्ष तक रख दिया। महुआ मोइत्रा के इस कड़े व स्पष्ट रुख की वजह से आम जनता के बीच जो सन्देश गया उससे आचार समिति को लेकर ही लोगों के दिमाग में भ्रम का वातावरण बन गया क्योंकि जब महुआ से आचार समिति सवाल पूछ रही थी तो समिति में शामिल विपक्षी दलों के सांसदों ने भी इसका विरोध किया था और बहिष्कार तक किया था। लोकतन्त्र की सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि इसमें किसी भी हकीकत को लम्बे समय तक जनता से छिपाया नहीं जा सकता। वैसे तो संसदीय समितियों की रिपोर्ट संसद की सम्पत्ति होती है और इनकी रिपोर्ट नियमानुसार तब तक सार्वजनिक नहीं की जा सकती जब तक कि उसे संसद में पेश न कर दिया जाये। मगर महुआ के मामले में सभी नियम धराशायी होते गए। लोकसभा अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपने से पहले ही आचार समिति की रिपोर्ट मीडिया को 'लीक' हो गई जिससे नियमानुसार यह मामला भी संसद के विशेषाधिकार हनन का बन जाता है। मगर आम जनता को इस बात पर भी कम आश्चर्य नहीं था कि जब महुआ मोइत्रा तृणमूल कांग्रेस सांसद की हैसियत से अपनी लड़ाई लड़ रही थीं तो इस पार्टी की नेता ममता दीदी ने उन्हें बिल्कुल अकेला छोड़ दिया था। पार्टी का कोई भी अधिकारिक प्रवक्ता इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रहा था और ममता दी समेत सभी ने अपने होंठ सिल रखे थे परन्तु जब महुआ ने अपनी लड़ाई अकेले ही लड़कर आम जनता के बीच अपने प्रति सहानुभूति प्राप्त करने की तरफ कदम बढ़ाये तो ममता दी ने उन्हें लपकने में क्षण भर की देरी भी नहीं लगाई। इस दौरन ये अपवाहें भी तेजी से उड़ने लगीं थीं कि महुआ मोइत्रा आगामी लोकसभा चुनावों से पहले ही तृणमूल कांग्रेस छोड़कर असली कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लेंगी परन्तु ममता दी ने इसका अवसर महुआ को देना उचित नहीं समझा और उन्हें पुनः संगठन में वही पद देने की घोषणा कर दी जिस पर वह पहले भी रह चुकी थीं। महुआ मोइत्रा कृष्णानगर जिला पार्टी की अध्यक्ष रही थीं। अब नदिया जिला इसी से काट कर अलग कर दिया गया है और महुआ को इसका अध यक्ष बना दिया गया है। महुआ मोइत्रा की सांसदी जानी तय मानी जा रही है क्योंकि आचार जांच समितियों की सिफारिशों को लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्वीकार करने की पुरानी परंपरा है। ममता दी ने महुआ को अपनी पार्टी में ही रोके रखने का जो निर्णय लिया उसके भी कई पहलू हैं। बेशक तृणमूल कांग्रेस प. बंगाल की सत्तारूढ़ व बलशाली पार्टी है। यह कांग्रेस की सदस्यता वाले 'इंडिया गठबन्धन' में भी शामिल है परन्तु लोकसभा के चुनाव देश में केन्द्र की सरकार बनाने के लिए होंगे । इन चुनावों में क्षेत्रीय दलों की बहुत सीमित ही भूमिका होती है । देश की सरकार के लिए ममता दी कोई प. बंगाल परक विमर्श राज्य की जनता के गले नहीं उतार सकतीं क्योंकि मतदाताओं के सामने दो विकल्प स्पष्ट होने जा रहे हैं। ये विकल्प विमर्श रूप में भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस के ही होंगे। भारत के लोगों को इन दो में से एक ही विमर्श चुनना होगा। क्षेत्रीय दलों की भूमिका निश्चित रूप से इन विमर्शों के सहायकों की होगी परन्तु वे किसी भी सूरत में अग्रणी भूमिका में नहीं आ पायेंगे। जबकि महुआ मोइत्रा ने संसद में जो लड़ाई लड़ी है उसके केन्द्र में राष्ट्रीय विमर्श है जो कि भारत की आर्थिक नीतियों से जुड़ा हुआ है। अतः महुआ को तृणमूल कांग्रेस में ही रोके रखना ममता दी की मजबूरी थी। लोकतन्त्र में राजनीति के जितने भी रंग हो सकते हैं वे इस तरह की राजनीति में निखर कर जनता के सामने किसी न किसी रूप में आ ही जाते हैं। इसीलिए इसे दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रशासन प्रणाली कहा जाता है।

उत्तराखंड: सवालों के पहाड़

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा धंस जाने से उसमें फंसे 40 मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस हादसे में न केवल उत्तराखंड में बल्कि सभी पहाड़ी राज्यों में चल रहे विकास परियोजनाओं और पहाड़ों को काट–काट कर किए जा रहे निर्माण को लेकर कई सवाल फिर से उठ खड़े हुए हैं। इसी साल मार्च महीने में भी इसी टनल का कुछ हिस्सा धंस गया था लेकिन इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ था। यह सुरंग ऑल वेदर रोड परियोजना का हिस्सा है जो गंगोत्री और यमुनोत्री को जोड़ती है। इस सुरंग के बनने के बाद यात्रियों के लिए 26 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि पहाड़ी राज्यों में नई सड़कें बनने से राज्य के आर्थिक प्रगति के मार्ग खुलते हैं। नई सड़कों से जिन्दगी की रफ्तार तेज होती है। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती है और स्थानीय लोगों को कारोबार तथा रोजगार के नएध्अवसर उपलब्ध होते हैं। उत्तराखंड में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है और इसके चलते लोग पलायन कर दूसरे राज्यों में चले गए हैं। राज्य के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ही अनेक विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। निजी क्षेत्र को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया गया। बड़े पैमाने पर होटल खुले, पर्यटन बढ़ा। लोगों को रोजगार भी मिला लेकिन पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों ने इन विकास परियोजनाओं का काफी विरोध किया था। उनका कहना है कि इनसे पहाड़ों पर भू–स्खलन बढ़ेगा। मामला अदालतों तक भी पहुंचा था लेकिन विकास परियोजनाएं जारी रहीं। जिस तरह से सड़कों के ध्निर्माण और पन बिजली योजनाओं के लिए सुरंगों का निर्माण किया गया। उनसे पहाड़ पहले ही काफी कमजोर हो चुके हैं। तेज बारिश हो या हल्का सा कम्पन, पहाड़ ढहने लगते हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, उत्तराखंड में 66 नई बड़ी सुरंगें बनाने के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में पहाड़ काटकर कम से कम 19 नई बड़ी सुरंगें बनाई जा रही हैं। अगर अभी चल रही सुरंगों की बात करें तो उत्तराखंड में 18 बड़ी सुरंगें संचालित हैं। हिमाचल प्रदेश में एक सुरंग अटल टनल अभी चल रही है। सुरंगें पहाड़ को खोद कर ही बनाई जा सकती हैं। सुरंगें और नई सड़कें कनेक्टिविटी तो बेहतर कर देती हैं लेकिन इनकी बहुत बड़ी कीमत पहाड़ को चुकानी पड़ती है और पहाड़ ये कीमत अकेले नहीं चुकाता इस कीमत में इंसानों की भी हिस्सेदारी है। आपको इस साल जनवरी के महीने में उत्तराखंड के जोशीमठ से आई तबाही की तस्वीरें जरूर याद होंगी। हजारों साल पुराने उत्तराखंड के ऐतिहासिक शहर जोशीमठ के 561 घरों में दरारें आ गई थीं। जोशीमठ के लोगों ने तब भी जमीन धंसने के पीछे विकास और हाइड्रो प्रोजेक्ट को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन अब तो बारिश की एक–एक बूंद जोशीमठ को तबाह करने पर तुली है। दरारों से दरकने का खतरा सिर्फ जोशीमठ तक नहीं है, उत्तराखंड के उत्तरकाशी से लेकर देहरादून तक के घर दरक रहे हैं। भारी बारिश के बाद पुल ढहने से उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के मध्य महेश्वर धाम में दर्शन करने आए 25 श्रद्धालु फंस गए। उनकी जिंदगी बचाने के लिए हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया लेकिन धाम में लैंडिंग की जगह नहीं थी। मुश्किल वक्त में स्थानीय महिलाएं आगे आईं और उन्होंने कुछ ही घंटों में वहां हेलिकॉप्टर उतरने लायक जगह साफ कर दी। तब जाकर फंसे लोगों को रेस्क्यू किया गया। कहा जा सकता है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों पर अब तक की सबसे बड़ी तबाही का खतरा मंडरा रहा है। पहाड़ों पर कोहराम मचा हुआ है। घर, सड़क, मंदिर, स्कूल और पहाड़ कांच के टुकड़ों की तरह बिखर रहे हैं। पहाड़ी का पोर–पोर टूट रहा है। पहाड़ी राज्यों में ऐसे खौफनाक मंजर दिख रहे हैं जिनसे रुह कांप जाती है। पहाड़ी राज्यों में कई शहरों के वजूद पर संकट खड़ा हुआ है। प्रश्नों का पहाड़ हमारे सामने है। सवाल उठ रहा है कि विकास का जो मॉडल अपनाया जा रहा है क्या वह सही है। अगर हम पर्यावरणीय चुनौतियों को नजरंदाज करके या पर्वतीय शर्तों को भूलकर विकास करेंगे तो खतरे राक्षस की तरह व्यवहार करेंगे। वास्तव में विकास परियोजनाएं पहाड़ों की प्राथमिकताओं को समझ नहीं पातीं। मामला सिर्फ सड़कों और सरंगें बनाने का नहीं बल्कि पहाड़ी परिवेश को बचाते हुए पर्वतीय विकास का भी है। विशेषज्ञ और सरकार भी यह महसूस करते हैं कि परियोजनाओं में कुछ आधारभूत परिवर्तन किए जाने चाहिए। अगर ऐसी आपदाएं आती रहीं और जान–माल की क्षति होती रही तो सवाल उठेगा ही कि इन परियोजनाओं से आखिर स्थानीय लोगों को क्या हासिल होगा। सुरंगें खोदने के लिए जिस तरह से भारी मशीनों का उपयोग किया जाता है उनके कम्पन को पहाड़ सहन नहीं कर पा रहे हैं। जरूरी है कि परियोजनाओं को लेकर नए सिरे से विचार किया जाए ताकि भविष्य में लोगों का जीवन सुरक्षित रहे।

डॉग बाइट पर मुआवजा

आए दिन कुत्ते के काटने की घटनाओं में वृद्धि के चलते इस बाबत समाज में लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। अब इस मामले में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि कुत्तों के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को समय से मुआवजा मिलना सुनिश्चित किया जाए। दरअसल, इस तरह के मामलों में बढ़ती शिकायतों के बाद कोर्ट ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि ये मामले इतने बढ़ गये हैं कि लोगों को कोर्ट आने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजे देने के लिये राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी। कोर्ट ने हरियाणा व पंजाब सरकारों एवं चंडीगढ़ प्रशासन को निर्देश दिया कि मुआवजा तय करने के लिये समिति बनायी जाए। समितियां जिलों के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में बनेंगी। पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन करने के उपरांत जांच की जाए तथा चार माह की अवधि में पीड़ित को मुआवजा मिल जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजे के लिये सरकारें जवाबदेह हैं। साथ ही राज्य को डिफॉल्ट एजेंसी व व्यक्ति से इसकी वसूली का अधिकार रहेगा। कुत्ते के काटने पर दिया जाने वाला न्यूनतम मुआवजा दस हजार रुपये होगा। वहीं शरीर पर घाव की स्थिति में मुआवजा उसकी गहराई के आधार पर न्यूनतम बीस हजार रुपये तय होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने सड़कों को आवारा जानवरों से मुक्त रखने के भी निर्देश दिये। कोर्ट ने आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से होने वाली मौतों पर दुख जताया। यह भी कहा कि इसका मानव जीवन पर असर पड़ रहा है। आवारा पशुओं का सड़कों पर कब्जा करना चिंताजनक हैं। अब सरकार को यह बोझ उठाना चाहिए और पीड़ितों को राहत मिलनी चाहिए। यह भी कि आवारा व जंगली जानवरों के सड़कों पर आने से होने वाली दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इलाके में स्थित थाने के एसएचओ को इस बाबत रोज रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। बाद में पुलिस अधिकारी दावे की जांच करके पीडिध्त को मुआवजा दिलाए। निस्संदेह, अदालत की यह पहल एक सराहनीय कदम है। ऐसे मामलों में कुत्ता पालने वाले लोगों से मुआवजा वसूलना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अकसर देखा जाता है कि ऐसे लोग प्रभाव का इस्तेमाल करके मुआवजा देने से बच जाते हैं। इतना ही नहीं पार्क व अन्य स्थानों में पालतू जानवरों को घुमाने वाले लोग सार्वजनिक स्वच्छता का ध्यान भी नहीं रखते और ये जगह–जगह गंदगी फैलाने लगते हैं। विदेशों में सख्त प्रावधान है कि पालतू जानवर के गंदगी फैलाने पर उसको उठाने की जिम्मेदारी कुत्ते के मालिक की होती है। लेकिन भारत में गली–चौराहे में गंदगी फैलाना लोग अपना अधिकार मान लेते हैं। निश्चित रूप से यदि पालतू कुत्ते किसी को काटते हैं तो मालिक की जिम्मेदारी तय करते हुए मुआवजा की वसूली उससे की जानी चाहिए। यहां सवाल आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों का भी पैदा होता है। घर का कमाऊ व्यक्ति यदि रैबीज संक्रमण से मर जाता है तो उसके परिवार का क्या होगा? अब यदि कोर्ट ने काटने पर मुआवजा तय किया है तो व्यक्ति की मौत पर भी पीड़ित परिवार के लिये मुआवजा तय किया जाना चाहिए। विडंबना यह भी है कि अक्सर आवारा जानवरों के हमलों का शिकार बुजुर्ग व बच्चे ही होते हैं क्योंकि वे अपना बचाव करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में यह भी जरूरी हो जाता है कि मुआवजे के साथ ही पीड़ित व्यक्ति के महंगे इलाज का खर्च भी सरकार वहन करे। साथ ही सस्ते मूल्य पर रैबीज के टीके उपलब्ध कराये जाएं ताकि पीड़ित गरीब व्यक्ति को दोहरी मार से राहत मिल सके। निस्संदेह, सदियों से कुछ जानवर मनुष्य के सहचर रहे हैं, लेकिन बदलती परिस्थितियों में वे ही लोगों के लिये समस्या की वजह बन गए हैं। वहीं पारिस्थितिकीय संतुलन के लिये भी जरूरी है कि मनुष्य के सहचर जीव–जंतु अपना अस्तित्व बनाये रखें। जरूरत इस बात की भी है कि बदले हालात में उनके अस्तित्व को बनाये रखने के साथ ऐसी व्यवस्था हो कि वे किसी व्यक्ति के जीवन पर संकट का वाहक न बनें।

वाहनों से कुचला हुआ मिला तेंदुआ,

उठ रहा सवाल,शहर में कैसे आया तेंदुआ

लखनऊ। लखनऊ के पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में शहीद पथ पर किसी वाहन से टकरा कर बुधवार सुबह एक तेंदुआ की मौत हो गई।राहगीरों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम तेंदुआ का शव पोस्टमार्टम के लिए ले गये। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में शहीद पथ पर बुधवार सुबह करीब 6 बजे एक तेंदुआ लहूलुहान हालात में सड़क पर पड़ा होने की सूचना वन विभाग मिली। वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जांच की तो पता चला कि तेंदुए की मौत हो चुकी थी।वन विभाग की टीम ने तेंदुए का शव पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा है। क्षेत्रीय वन विभाग के कर्मचारियों के अनुसार पीजीआई थाना अंतर्गत शहीद पथ पर सुबह करीब 6 बजे एक तेंदुआ के पड़े होने की सूचना डायल 112 के माध्यम से मिली थी। मौके पर देखा गया तो तेंदुआ को किसी वाहन ने कुचल दिया था। उसके शरीर पर गहरे जख्म थे. निशान देखकर ऐसा लग रहा था किसी भारी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हुई है। वन विभाग की टीम तेंदुए के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गई है।वन विभाग के फॉरेस्टर शौकत उल्लाह खान ने बताया कि सूचना पर टीम को मौके पर भेजा गया था। तेंदुए के शरीर पर चोट के काफी निशान हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी। पीजीआई थाना क्षेत्र में बीते दिनों तेंदुए दिखने की जानकारी ग्रामीणों ने वन विभाग को दी थी। सवाल है कि अचानक शहर के बीचो–बीच तेंदुआ कब और कहां से आ गया।लखनऊ के आसपास ऐसा कोई घना जंगल नहीं है जहां से तेंदुओं का प्राकृतिक वास हो।

शहीद पथ के किनारे तेंदुए की मौत, वन विभाग की टीम जांच में जुटी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शहीद पथ किनारे तेंदुए का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि रात में वह रास्ता भटक कर शहर की तरफ आ गया था। उसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसको टक्कर मार दी और उसकी मौत हो गई। बुधवार सुबह वहां से गुजरने वालों की नजर तेंदुए पर पड़ी। हालांकि लोगों को लगा कि वह सड़क कि किनारे सो रहा है। ऐसे में डर की वजह से लोगों को वहां से जाने में डरने लगे। हालांकि कुछ देर बात लोगों ने हिम्मत कर देखा तो पाया कि वहां पर तेंदुआ मरा पड़ा है। उसके शरीर पर गहरे जख्म के निशान थे। ऐसा लग रहा था किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हुई है। मौजूद लोगों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वन विभाग को सूचित किया। इलाके में हालांकि डर का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अंबेडकर यूनिवर्सिटी के पास से गुजर रहे शहीद पथ के पास की यह घटना है। पुलिस से मिली सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने तेंदुए को देखा और उसके शव को अपने साथ ले गए। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभी तो गाड़ी की टक्कर ही मौत की वजह लग रही है। हालांकि इसकी जांच होने के बाद ही कोई सही जानकारी मिल पाएगी। राजधानी में पहले भी शहरी क्षेत्र में तेंदुआ आ चुका है। यहां पुराने लखनऊ से लेकर कुकरैल के आस– पास के इलाकों में अक्सर तेंदुआ नजर आता है। साल 2022 में जानकीपुरम और खुर्रमनगर इलाके में एक तेंदुए ने कई लोगों को घायल भी कर दिया था। हालांकि उतरठिया और आस– पास के इलाकों में तेंदुआ कम निकलता है। ऐसे में अब वन विभाग की टीम के लिए भी यह जांच का विषय है कि यह आया कहां से होगा।

साइबर ठगों ने दोस्त बनकर किया फोन,फर्जी एसएमएस भेजकर 80 हजार रुपये की ठगी, केस दर्ज

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से उसका दोस्त बनकर फोन किया। उसे फर्जी एसएमएस भेज कर हजारों रूपये ऑनलाइन अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिया। रूपये भेजने के बाद और पैसों की मांग होने पर उसे शक हुआ, तो अपने दोस्त के बेटे से फोन कर पूछने पर पता चला कि उसके साथ ठगी की गई हैं। पीड़ित ने आलमबाग थाने पर मोबाइल नंबर के आधार पर 420, 406 की धारा में मुकदमा दर्ज करवाया हैं। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं। शम्भू नाथ शर्मा आलमबाग में प्रेमवती नगर, गढ़ी कनौरा में परिवार संग रहते हैं। उन्होंने पुलिस से लिखित शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उनका खाता इंडियन बैंक मवैया शाखा में है। उनके मोबाइल पर एक कॉल आया, फोन करने वाले ने दोस्त बनकर उससे बात किया। उनका कहना है कि ठग हुबहु एक मित्र कि ही आवाज में बात कर रहा था। वो बोला कि मुझे किसी से अपने बैंक खाते में पैसे मंगवाने है पर किसी वजह से नहीं आ पा रहा है, तो क्या मैं तुम्हारे खाते में भेजवा दू। मैंने अपना मित्र समझ के उसे हा बोल दिया, तो उसने कुछ बैंक के बनाये हुए एसएमएस भेज दिया। उसने पैसे भेज दिया है, मुझे जानकारी नही थी, तो उस एसएमएस को सही समझने कि गलती कर बैठा, इसके बाद ठग ने एक नंबर भेजा। जिस पर उसने दो दिन में 80 हजार रूपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिया। उसके बाद भी फोन आते रहे पैसे के लिए, तब आभास हुआ कि कुछ गलत है। शंभू ने अपने दोस्त के बेटे को फोन किया। पूछा तुम्हारे पिता मुझसे इतना पैसा मांग रहे हैं। वो तुमसे क्यों नही बोल रहे हैं। तब उसने अपने पिता से पूछा और बताया की उसके पिता ने कोई पैसा नही मांगा है। जिसके बाद जानकारी हुई कि उनके साथ ठगी की गई है। उन्होंने साइबर सेल में शिकायत दर्ज करवाने के बाद आलमबाग कोतवाली में तहरीर दी हैं।

नगर आयुक्त ने शहर में साफ सफाई का निरीक्षण किया

लखनऊ। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के द्वारा शहर में साफ सफाई इत्यादि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने एवं निगम द्वारा दी जा रही सेवाओं को गति प्रदान करने के उद्देश्य से समय समय पर निरीक्षण किया जाता है, तो त्यौहारों के दृष्टिगत भी उनके द्वारा निरीक्षण के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए निर्देश नगर अभियंता जलकल को दिए गए। तदक्रम में पूरन नगर मस्जिद के पास तालाब की जमीन पर अवैध कब्जे के संबंध में उसकी जांच करवा कर कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्रभारी अधिकारी संपत्ति को दिए गए। इसके

कर स्थितियों का जायजा लिया जा रहा है। जिस क्रम में आज जोन 05 क्षेत्र का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए। जिसमे गुरुनानक नगर वार्ड व गीतापल्ली वार्ड (आंशिक) का निरीक्षण किया। जहां नटखेड़ा, जयप्रकाश नगर, विशेसन नगर, दामोदर नगर, पूरन नगर मस्जिद, गोपालपुरी वीआईपी रोड (गीतापल्ली वार्ड) के क्षेत्रों में नाले नालियों इत्यादि जलभराव प्वाइंट चिन्हित कर डीप ड्रेन क्लीनिंग अतिरिक्त प्रेम नगर अंतर्गत सुअर वाली गली गुप्ता मार्किट के पास गली में जीवीपी प्वाइंट की कई बार सफाई कराए जाने के बाद भी प्वाइंट के स्थायी समाधान के लिए इंटरलॉकिंग कर वृक्षारोपण कराये जाने के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। साथ ही वार्ड में खाली पड़े प्लॉटों की साफ सफाई कराये जाने के निर्देश जोनल सेनेटरी अधिकारी को दिए गए। साथ ही वार्ड अंतर्गत जोहदाखेड़ा में स्थित मंदिर के पास मौजूद नलकूप को रिबोर कराये जाने के निर्देश नगर अभियंता जल कल को दिए गए। शराफत नगर पुलिस चौकी के पास बने प्राइमरी पाठशाला के नवीनीकरण के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। गीतापल्ली वार्ड अंतर्गत हाई टेंशन रोड पर जलनिकासी की समस्या के त्वरित निस्तारण हेतु ड्राई नालों के ऊपर के पत्थर हटा कर वृहद रूप से साफ सफाई कराये जाने के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। इसके अतिरिक्त वार्ड के सुपरवाइजरों द्वारा स्थानीय लोगों की सुनवाई व सहयोह न किये जाने जैसी जन शिकायतों के आधार पर कार्यदाई संस्था साईं ट्रेडर्स के सुपरवाइजरों को सख्त चेतावनी दी और जन सहयोग किये जाने व अपनी कार्यवाही का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किये जाने के सख्त निर्देश जारी किए। साथ ही क्षेत्र में वृहद रूप से अभियान चलाकर साफ सफाई, नालियों की सफाई, फॉगिंग एवं एंटीलार्वा का छिड़काव हो रहा था, जिसे और अधिक तेजी के साथ कराए जाने हेतु आदेशित किया गया। उक्त निरीक्षण में,.क्षेत्रीय पार्षद पीयूष दीवान, अपर नगर आयुक्त श्री अवनींद्र कुमार, जोनल अधिकारी संगीता कुमारी के साथ चीफ इंजीनियर सिविल व समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहे। नगर आयुक्त जी ने क्षेत्र के लोगो से उनकी समस्याएं जानी।

दो बाइकों की टक्कर में चले डंडे व चाकू

बांदा। सड़क किनारे खड़ी बाइक से बाइक भिड़ने पर विवाद हो गया। डंडे व चाकू चलने से दोनों ओर से गल्ला व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष समेत 11 लोग घायल हो गए। घायल पदाधिकारी व उसके घर के सदस्यों ने बंधक बनाकर पीटने का आरोप लगाया है। जबकि दूसरी ओर से घायलों का आरोप है कि शराब के नशे में टक्कर मारने के बाद मामला झुलस गया था, लेकिन उनके कार सवार साथियों ने आकर मारपीट शुरू कर दी। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के कालूकुआं मोहल्ला निवासी गल्ला व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष सुरेशचंद्र (45) की नवाब टैंक के पास दाल मिल है। उनका छोटा भाई दिनेशचंद्र (43) अपने सहयोगी बबलू यादव (35) के साथ मंगलवार को दोपहर बाइक से दाल मिल से घर जा रहा था। अलीगंज मोहल्ले में बिजली दफ्तर के पास उनकी बाइक सड़क किनारे मिठाई की दुकान के बाहर खड़ी बाइक से टकरा गई। हादसे को लेकर वहां खड़े तौफीक (30), वसीम (33), अमीन (29), गयादीन (36), मनोज (40) व पवन (34) ने खड़ी बाइक में शराब के नशे में टक्कर मारने का विरोध किया। क्षतिग्रस्त बाइक को बनवाने को कहा। इस पर टक्कर मारने वालों ने बाइक बनवाने की बात स्वीकार कर ली। इस बीच उनके छह साथी कार से वहां पहुंच गए। दोनों ओर से विवाद बढ़ गया। डंडे चलने से जहां तौफीक, वसीम, अमीन, गयादीन,मनोज व पवन घायल हो गए वहीं दूसरी ओर से गल्ला व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष, उसका भाई, व्यापार मंडल नगर उपाध्यक्ष, उसका पुत्र सुभांशु साहू (18), हिमांशु (21), दिवांशु (23) के साथ बबलू घायल हो गए। घायल कोषाध्यक्ष व उसके परिजनों ने बताया कि वह बाइक बनवाने को तैयार थे। इसके बाद भी उन्हें बंधक बनाकर डंडों व चाकू से हमला कर घायल किया गया है। जबकि दूसरी ओर से घायलों का कहना है कि मामला शांति से निपट गया था। लेकिन दूसरी ओर के लोग कार से वहां डंडे व राड लेकर आ गए। नशे में उन्होंने विवाद करते हुए मारपीट शुरू की है। दोनों ओर के घायलों की ओर से पुलिस में शिकायत की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में सास–दमाद की मौत,तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर

उरई/जालौन। जालौन में तेज रफ्तार कार ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार सास और दामाद की मौत हो गई, जबकि सड़क किनारे खड़े मां–बेटी इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने घायल मां–बेटी को अस्पताल में भर्ती कराया। जिन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले औरैया–जालौन स्टेट हाइवे स्थित ग्राम मदनेपुर के पास की है। जहां कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम मदनेपुर के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद (38) पुत्र बाबूराम अपनी सास रामजानकी (60) पत्नी काशीराम निवासी गोरा भूपका थाना गोहन को बाइक से बैठाकर गांव से निकले थे। रास्ते में एसयूवी ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी बाइक सवार सास और दामाद उछलकर सड़क पर गिर गए। सड़क किनारे खड़ी अंजली (30) पत्नी जीतू निवासी पर्वतपुरा जालौन और उसकी 5 साल की बेटी संजना भी इसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद कार सवार नीचे उतरा और उसने सड़क पर घायल पड़े सास दामाद और मां बेटी को राहगीरों की मदद से अपनी कार से कुठौंद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां राजेंद्र और राम जानकी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल मां बेटी की हालत नाजुक होने पर तत्काल हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी मिलते ही कुठौंद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक और घायलों के परिजनों को इस बारे में अवगत कराया। साथ ही आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

'वीरांगना उदा देवी पासी की शहादत दिवस पर निकाली गई दीपयात्रा'

लखनऊ। 1857 ई के गदर की नायिका वीरांगना उदा देवी पासी के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर मोहनलालगंज भाजपा सांसद एवं केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्यमंत्री व पारख महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जी की अगुवाई में वीरांगना ऊदा देवी पासी को श्रद्धांजलि देने के लिए हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा से सिकंदरबाग चौराहे पर स्थित वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा तक हजारों लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। इस कैंडल मार्च में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ–साथ पारख महासंघ के हजारों कार्यकर्ता और भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। आपको बता दें कि 1857 ई की क्रांति के दौरान लखनऊ की शासक बेगम हजरत महल की सेना में महिला ब्रिगेड की सेनापति वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया था। अंत में वे अंग्रेजों की गोली से शहीद हुईं। इसी क्रम में 16 नवंबर को उनका शहादत दिवस मनाया जाता है। शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने जीपीओ स्थित गांधी जी की प्रतिमा से कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च का समापन सिकंदरबाग चौराहे पर स्थित वीरांगना ऊदा देवी की प्रतिमा पर मोमबत्तियां लगाकर हुआ जहां वीरांगना उदा देवी की प्रतिमा पर केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, विधायक मलिहाबाद जय देवी कौशल व विधायक अमरेश रावत द्वारा माल्यार्पण कर नमन किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा कि जिस तरह से हिंदुस्तानियों ने अंग्रेजों को भारत से भगाया था उसी तरह से भारत से नशे को भी भगाना है और युवा पीढ़ी को नशे के आगोश में जाने से बचाना है उन्होंने इस अवसर पर कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी जब हिंदुस्तान से नशा खत्म हो चुका होगा इसलिए हमें नशे को हिंदुस्तान से समाप्त करना है। आपको बताते चलें कि मंत्री कौशल किशोर ने नशे के विरुद्ध देशव्यापी आंदोलन चला रखा है जिसमें अब तक देश भर से करोड़ों लोगों ने जीवन में नशा न करने का संकल्प लिया है और यह संकल्प निरंतर स्कूलों में संघ कई संगठनों में चलाया जा रहा है जिसमें देशभर से करोड़ों लोग नशे के विरुद्ध आंदोलन में जोड़ रहे हैं और अपना पूर्ण समर्थन दे रहे हैं। कौशल किशोर ने आगे कहा कि सभी महिलाओ को वीरांगना उदा देवी पासी से सीख लेने की जरूरत है, उन्होंने कहा कि वीरांगना उदा देवी पासी जी की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल कराए जाने के लिए वह प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार से बात करेंगे और वीरांगना उदा देवी जी की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल कराएंगे जिससे सभी को महान वीरांगना उदा देवी जी की वीरगाथा के बारे में पता चले। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार कार्य कर रही है और इसी क्रम में हमारी सरकार द्वारा नारी शक्ति बंधन अधिनियम लाकर महिलाओं को सशक्त करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वीर राज्य मंत्री कौशल किशोर ने यह भी बताया कि आगामी 31 दिसंबर को नारी शक्ति बंधन अधिनियम के समर्थन में नारी सशक्तिकरण हाफ मैराथन का भी आयोजन लखनऊ में दुबग्गा चौराहा से किया जाना सुनिश्चित हुआ है जिसमें लाखों की संख्या में महिला एकत्र होकर इसका समर्थन करेंगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के साथ मुख्य रूप से मोहनलालगंज विधायक अमरेश रावत, मलिहाबाद की विधायक जयदेवी कौशल, सांसद प्रतिनिधि प्रवीण अवस्थी, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विकास किशोर, प्रधान मीडिया प्रभारी केके रघुवंशी, सुबोध रावत, लोधी महासभा के अध्यक्ष गुड्डू लोधी, पारख महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष तेजीराम रावत, जितेंद्र कुमार, मुनेंद्र कुमार वर्मा, राष्ट्रीय पासी महासंघ के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रज्जन लाल रावत, मलिहाबाद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मीनू वर्मा, माल ब्लाक प्रमुख के पति रामकुमार राही, पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलावर खान, वीरेंद्र ज्वेलर्स , ज्ञानी, पुष्पेंद्र सिंह वर्मा ,माता प्रसाद पेंटर, मोहम्मद रिजवान, अनीता रावत, संजय रावत, श्यामलाल तूफानी, राजकुमार रावत, मेवालाल पाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख कुमार रामविलास रावत, श्याम लाल तूफानी, गोपाल , राजेंद्र लहरी, अभिषेक रावत, सतीश रावत, विजय पाल सिंह आदि के साथ हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पराली जलाने पर डीएम ने लगाया जुर्माना,22 किसानों पर की गई कार्रवाई

बांदा। जनपद में पराली जलाने को लेकर प्रशासन ने किसानों पर जुर्माना लगाया है। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर सख्ती की गई है। 22 किसानों पर जुर्माना लगा दिया गया है। किसानों में इस कार्रवाई से हड़कंप का माहौल है। पराली जलाने को लेकर सरकार सख्त है। इसको लेकर कृषि विभाग बांदा पर्यावरण सुरक्षा को लगातार किसानों को जागरूक करने का दावा करता है, लेकिन फिर भी ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। सैटेलाइट से निगरानी में करीब दो दर्जन से ज्यादा किसानों में पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। वहीं जांच में अतर्रा, बबेरू और बांदा सहित में किसानों ने पराली जलाई हैं। इसमें करीब 22 किसानों से एक लाख 32 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बाकी शेष किसानों की जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही गई है। जिन किसानों पर जुर्माना हुआ है उनमें कई पर पंद्रह हजार ,पांच हजार, ढाई हजार के अलावा पांच सौ रुपए दंड लगाया हुआ है। खेत में पराली जलाने से वायु प्रदूषण के साथ–साथ जमीन को भी नुकसान पहुंचता है। पराली का धुंआ उड़ता हुआ वायुमंडल में आ जाता है, जिससे दिन में भी धुंध छा जाती है और लोग साफ सुथरी हवा के लिए तरसने लगते हैं। पराली जलाने से किसानों को भी नुकसान होता है। केंचुआ को किसानों का दोस्त माना जाता है।

प्रशासन के विरोध के बीच दिवंगत महंत को दी गई समाधि

उरई/जालौन। कोंच प्रशासन के तमाम विरोध के बीच को श्रीराम जानकी मंदिर व कंजड़ बाबा मंदिर के दिवंगत महंत श्यामसुंदर कुशवाहा को कंजड़ बाबा के पास समाधि दे दी गई। महंत को जिस जगह समाधि दी गई है उस स्थान को लेकर उनके ही समाज के लोगों ने विरोध जताते हुए स्थानीय प्रशासन से शिकायत की थी। शिकायत पर नायब तहसीलदार राहुल सिंह, सागर चौकी इंचार्ज बलराम शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। दोनो पक्षों की समस्या सुनी और समाधि के लिए गड्ढा खोद रहे लोगों को रोक दिया। नायब तहसीलदार ने समाधि में बिठाने से मना किया, जबकि मंहत की बेटियों का कहना था कि महंत की अंतिम इच्छा मंदिर परिसर में समाधि देने की जताई थी, लेकिन प्रशासन की रोक को दरकिनार कर महंत की दोनों बेटियां भूमिसुता व संध्या के अलावा अन्य लोगों ने महंत को प्रशासन के सामने ही समाधिस्थ कर दिया। इसके बाद और फोर्स बुला ली गई। एसएसआई उदय प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। वहां से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। बता दें कि उक्त स्थान का मामला जिलाधिकारी व न्यायालय में नगर पालिका से विचाराधीन रहा है। बुधवार को भी इस मामले को लेकर करीब दो दर्जन लोगों ने एसडीएम को प्रार्थनापत्र देकर समाधि रोके जाने की मांग की थी। बहरहाल, मौके पर पुलिस तैनात है। इस पूरे मामले में एसडीएम अतुल कुमार का कहना है, सरकारी जमीन पर कोई निर्माण नहीं होगा। नगर पालिका से रिपोर्ट मांगी गई है। लॉ एंड ऑडर को लेकर कोतवाली पुलिस को भी निर्देशित किया गया है। जमीन किसकी है। इसकी रिपोर्ट नगर पालिका से मांगी गई है।

काशीराम आवास की जांच में 283 कमरे में ताले मिले,

63 आवास में रह रहे हैं दूसरे लोग, 59 को किराए पर दिया गया है

बस्ती। जिले में डीएम अंद्रा वामसी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी सदर न्यायिक, परियोजना अधिकारी डूडा, उप जिलाधिकारी सदर, खंड विकास अधिकारी विक्रमजोत, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका की संयुक्त टीम ने जिले में स्थापित काशीराम शहरी योजना के तहत निर्मित 1000 आवासों का निरीक्षण किया। जिसमें से 283 कमरों में ताला बंद पाया गया। साथ ही 59 किराए पर, 27 खाली, 63 आवास में आवंटित व्यक्ति के स्थान पर दूसरे लोग रह रहे हैं और 26 व्यक्तियों ने अवैध कब्जा किया हुआ है। जिलाधिकारी ने परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिया है कि आवासों का सत्यापन करते हुए संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए। डीएम ने बताया कि पुनः 370 काशीराम शहरी योजना के तहत आवास अनुमोदन किया गया। इसके लिए परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिया है कि आवास आवंटन के लिए पुनः आवेदन प्राप्त किया जाए। आवेदन कर्ता आवास निराश्रित विधवाओं, निराश्रित विकलांग एवं गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले शहरी गरीब नागरिकों को उपलब्ध कराए जाएंगे। तीन श्रेणियों के समस्त आवंटियों में से 23 प्रतिशत भवन अनुसूचित जाति–जनजातियों को आवंटित किए जाएंगे, 27 प्रतिशत भवन पिछड़े वर्गों के लिए तथा शेष 50 प्रतिशत भवन सामान्य श्रेणी के लिए आरक्षित किए जाएंगे। विकलांगों को अनिवार्य रूप से ग्राउंड फ्लोर पर आवासीय भवन आवंटित किए जाएंगे। गरीबी रेखा से नीचे के व्यक्ति ही आवंटन हेतु अर्ह होंगे। इसकी पुष्टि के लिए पंजीकरण आवेदन के साथ आवेदक को बीपीएल प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदक की ओर से आवेदन के साथ ही निर्धारित आरक्षित श्रेणी की पात्रता से संबंधित प्रमाण पत्र भी संलग्न करना अनिवार्य होगा। निराश्रित विकलॉग व निराश्रित विधवाओं की पात्रता का भी प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

एक सप्ताह पहले मृत हुआ था युवक, पुलिस ने नदी से निकलवाया शव, परिजन बोले–पत्नी ने करवाई है हत्या

उरई/जालौन। उरई में संदिग्ध हालात में एक सप्ताह पहले युवक की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने ग्रामीणों व कुछ परिजनों की शिकायत पर शव को नदी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, परिजनों का कहना है कि पत्नी व युवक के पिता ने उसकी हत्या की है। डकोर कोतवाली क्षेत्र के मोहना गांव निवासी बरातीलाल के पुत्र आमोद (30) की सात नवंबर को संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। परिजनों ने उसके शव को नदी में प्रवाहित कर दिया था, लेकिन कुछ परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से इसकी शिकायत की थी। इस पर बुधवार की सुबह पुलिस ने नदी से उसके शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उसके सिर व शरीर में चोटों के निशान पाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चलेगी। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि युवक की पत्नी व उसके पिता ने मिलकर उसकी हत्या की है।

आपके स्वागत को सजकर तैयार है कतर्निया, 15 जून तक आम लोगों के लिए खुला

बहराइच। बहराइच में गाड़ी की आवाज सुनकर भागता हिरणों का झुंड, जंगल के बीच थोड़े से पानी में वो रहा घड़ियालों का जोड़ा, उनके बगल से मुंह को पानी से ऊपर निकाले वो जा रहा मोटा मगरमच्छ३ ऊपर देखा तो आसमान में दिखा चहचहाती चिड़ियों का झुंड, आगे बढ़े तो चिंघाड़ते हुए हाथियों का झुंड दिखा। थोड़ी दूर से बाघ की गुर्राहट सुनाई दी, तो जल्दी से गाड़ी में छुप गया। कुछ देर जाते ही मस्ती में पंख फैलाए नाचता मोर दिखा, तो बंदर केला लेने के लिए गाड़ी के पीछे–पीछे आ गया३ये नजारा है बहराइच के कतर्नियाघाट का। बहराइच के कतर्नियाघाट पर आज यानी 15 नवंबर को ये घाट फिर से आम लोगों के लिए खुल गया है। अब 15 जून तक ये आम लोगों के लिए खुला रहेगा। यानी आप भी जानवरों के बीच में ऐसे ही सैर कर सकते हैं। साथ ही कतर्नियाघाट की गेरुआ नदी के पश्चिमी तट पर बेंत, सेमल, गूलर और दूसरी पेड़ों की लहराती डालियां, अमरूद के पेड़, मीठे महुए और अंगूर के गुच्छे आपको हरी–भरी प्रकृति का भी एहसास कराते रहेंगे। बता दें, इस खूबसूरती को अपनी आंखों में कैद करने का यहां कोई टिकट नहीं लगता है। 551 वर्ग किलोमीटर में फैले इस कतर्नियाघाट में आपको कदम–कदम पर जानवरों की टोलियां दिख जाएंगी। इस घाट के अंदर लगभग 50 बाघ, 8 हजार चीतल, 89 तेंदुए, 55 सांभर, 2800 नीलगाय, 300 काकड़, 12 गैंडे, 9 हजार लंगूर, 110 डाल्फिन, 600 घड़ियाल, 2 पालतू हाथी, 85 बारहसिंहा, 80 जंगली हाथी 80, घड़ियाल, मगरमच्छ, मोर, बंदर और 6 हजार जंगली सुअर हैं। कतर्नियाघाट पर सैर करने के लिए आप ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। यहां पर मोतीपुर और ककरहा के बने थारू हट में पर्यटकों के रुकने का इंतजाम भी हो जाता है। बस इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग करानी पड़ेगी। अतिथि गृहों में आरक्षण के लिए बहराइच स्थित वन विभाग के डिवीजन कार्यालय पर प्रार्थना पत्र दे सकते हैं। ऑनलाइन बुकिंग कराने के लिए वेबसाइट www.upecotourism.in पर भी संपर्क कर सकते हैं।

जिले में मनाया गया विश्वास का प्रतीक भैया दूज पर्व

बहराइच। जिले में भाई–बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक भाई दूज पर्व बुधवार को उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर खुशहाली का टीका लगाकर उनके लंबी आयु व सलामती की दुआ मांगी। पर्व पर हर घर में खुशी का माहौल रहा। भाइयों से मिले तोहफे से बहनों का चेहरा खुशी से खिल उठा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भैया दूज (यम द्वितीया) पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि भैया दूज के दिन भगवान यमराज ने अपनी बहन यमुना के स्वागत से प्रसन्न होकर यह आशीर्वाद दिया था कि भैया दूज के दिन जो लोग भी यमुना नदी में स्नान करेंगे। उन्हें मृत्यु उपरांत यमपुरी नहीं जाना पड़ेगा। बहन भाइयों को तिलक लगाकर भोजन कराएंगी, तो घरों में सुख–समृद्धि व खुशहाली आएगी। इसी मान्यता के अनुरूप बुधवार को भैया दूज पर्व पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बहनें पूजा की तैयारी में जुटी रहीं। सभी तैयारियां पूरी करने के बाद बहनों ने शुभ मुहूर्त में विधि–विधान से पूजन–अर्चन किया। बहनों ने थाली सजाकर अपने भाइयों को टीका लगाया। रोली– अक्षत से अभिषेक कर मुंह मीठा कराते हुए बहनों ने भाई के लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने बहनों को तरह–तरह के आकर्षक उपहार देने के साथ उनकी रक्षा का वचन दिया। बच्चे इस पर्व पर खासा उत्साहित दिखे।

दो पक्षों में चली गोली, किशोर की मौत,पिता की शिकायत पर 7 के खिलाफ एफआईआर

नोएडा। नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र के मोहबलीपुर गांव में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। इस दौरान दोनों तरफ से कई राउंड फायरिंग और लाठी–डंडे भी चल गए। इस घटना में एक पक्ष का 15 वर्ष का एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। इस संबंध में मृतक के परिजनों ने दूसरे पक्ष के 7 लोगों के नामजद करते हुए केस दर्ज कराया है। गांव निवासी राकेश और सोनू पक्ष के बीच पिछले कई महीनों से विवाद चला आ रहा है। मंगलवार की रात सोनू ने अपने साथियों के साथ मिलकर राकेश के साथ मारपीट कर दी। जिसके बाद राकेश पक्ष के लोग एकत्रित हो गए। सोनू ने अपने साथियों के साथ मिलकर राकेश पक्ष के साथ मारपीट व फायरिंग कर दी। जिसमें राकेश और उनका 15 वर्षीय बेटा मोहित, नरेंद्र, हरेंद्र घायल हो गए। घायलों को परिवार के लोगों ने नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान 15 साल के मोहित की मौत हो गई। बताया जाता है कि बच्चे को गोली लगी है। इस संबंध में मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पक्ष के सोनू, गौरव, रंजीत, निशांत, और शिवनीत समेत 7 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी करने के लिए टीम जुटी हुई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। दोनों पक्ष के लोग एक ही गांव के हैं। आगे दोनों पक्षों में दोबारा विवाद न हो जाए। उसको देखते हुए गांव में पुलिस वाले भी तैनात कर दिए गए हैं। इस बारे में ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि दो पक्षों में हुए विवाद के दौरान एक बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक बच्चे के परिवार की शिकायत का आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। साथ ही गांव में किसी भी तरह का विवाद आगे ना हो उसको देखते हुए पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में छह सदस्यों के पद खाली, भर्तियों पर असर

नहीं हो पा रहे हैं इंटरव्यू

लखनऊ। यूपीएसएसएससी में आधा दर्जन मेम्बर के पद खाली पड़े हैं, जिसका सीधा असर भर्तियों और साक्षात्कार पर पड़ रहा है। अभ्यर्थियों और नौकरी के इंतजार में युवाओं में निराशा है। एक ओर सरकार का युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर है ,दूसरी ओर उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यानि यूपीएसएसएससी जैसे महत्वपूर्ण आयोग में छह सदस्यों के पद 10 माह से खाली हैं। असर भर्तियों पर पड़ा है। 2016 की कुछ भर्तियों के अभ्यर्थी इंटरव्यू आदि प्रकिया आदि का इंतजार कर रहे हैं। यूपीएसएसएससी में अध्यक्ष के साथ आठ सदस्यों के पद स्वीकृत हैं। तीन सदस्यों के पद 2022 से खाली हैं। जनवरी 2023 में तीन सदस्य अरुण सिन्हा, डॉ. सीमा रानी और डॉ. एके अग्रवाल का कार्यकाल समाप्त हो गया। लगभग 10 महीने से छह सदस्यों के पद खाली हैं। इसका असर आयोग की ओर से आयोजित परीक्षाओं के इंटरव्यू पर पड़ रहा है। हर परीक्षा में आयोग का एक सदस्य नोडल होता है, ऐसे में वह उस परीक्षा के इंटरव्यू बोर्ड का सदस्य नहीं बन सकता है। इस वजह से एक ही सदस्य इंटरव्यू बोर्ड की अध्यक्षता कर रहा है। 2016 में विज्ञापित सहायक सांख्यिकी अधिकारी एएसओ के 49, सहायक शोध अधिकारी एआरओ के दो और राजकीय दुग्ध पर्यवेक्षक के 62 पद समेत कुछ अन्य भर्तियों के इंटरव्यू नहीं हो पाए हैं।मई में नियुक्ति व कार्मिक विभाग ने आयोग में सदस्यों के तीन पदों पर नियुक्ति,चयन के लिए आवेदन मांगे थे। प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। आयोग में लगभग 1100 पद के इंटरव्यू लंबित हैं। शासन सदस्यों की तैनाती कर दे तो लंबित भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी हो सकती है।

अजमल खान तिब्बिया कॉलेज में इंडक्शन कार्यक्रम

अलीगढ। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल खान तिब्बिया कॉलेज में नेशनल काउंसिल ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) के निर्देशों के अनुसार 15 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने की। प्रोफेसर गुलरेज ने नव प्रवेशित बीयूएमएस प्रथम वर्ष के छात्रों को संबोधित करते हुए यूनानी चिकित्सा प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि मैनेजमेंट स्टडीज एण्ड रिसर्च संकाय की डीन प्रोफेसर सलमा अहमद ने छात्रों की प्रशंसा की और यूनानी दवाओं की प्रभावशीलता की सराहना की, जबकि विशिष्ट अतिथि इंजीनियरिंग कालिज के प्रिन्सिपल प्रोफेसर एम. एम. सुफियान बेग ने समकालीन जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर जोर दिया। यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन प्रो. उबैदुल्ला खान ने इल्म–ए–तिब में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को यूनानी पाठ्यक्रम चुनने पर बधाई दी। डॉ. अब्दुल अजीज खान ने इंडक्शन कार्यक्रम के महत्व पर जोर देते हुए स्वागत भाषण दिया। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर बदरुद्दुजा खान ने अपने स्वागत भाषण में देश के सबसे पुराने और प्रमुख यूनानी संस्थानों में से एक के रूप में कॉलेज के महत्त्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अम्मार इब्ने अनवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. सबा जैदी ने किया। उद्घाटन सत्र में लगभग 150 छात्रों और बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया।

छत पर थूकने से मना करने पर बीजेपी–नेता का उत्पात,

गेट पर चढ़े समर्थक, तोड़ने की कोशिश, अंदर घुसकर महिला और बेटियों से मारपीट-अभद्रता

बाराबंकी। जिले में बीजेपी के नगर उपाध्यक्ष मनोज कुरील ने अपने साथियों के साथ एक महिला के घर के बाहर जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान गाली–गलौज की गई। दरवाजा को तोड़ने की कोशिश की गई। उनके समर्थक घर के मेन गेट पर चढ़कर महिला और उसके परिवार को धमकाते रहे। इसके बाद अंदर घुसकर महिला और उसकी बेटियों के साथ अभद्रता और मारपीट की गई। इस घटना का सामने के मकान में मौजूद किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो रहा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। दरअसल नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कानून गोयन में रहने वाली सुशीला देवी और बीजेपी नगर उपाध्यक्ष मनोज कुरील का घर अगल–बगल है। महिला का आरोप है कि मनोज और उसका बेटा आए दिन अपनी छत से उसके घर की छत पर पान मसाला खाकर थूक देते थे। दिवाली की रात भी यही हुआ। सुशीला देवी ने देखा तो उसने विरोध किया, इसके बाद उसकी, बीजेपी नेता मनोज कुरील से बहस होने लगी। सुशीला देवी ने कहा आप लोग 'पान मसाला खाकर छत पर न थूकें, लेकिन बीजेपी नेता और उसके बेटे महिला के विरोध करने से इतना क्षुब्ध हुए कि उन्होंने अभद्रता शुरू कर दी। दिवाली के दिन बीजेपी नेता के यहां उनके रिश्तेदार और समर्थक आए हुए थे। विरोध करने पर मनोज, उनका बेटा और अन्य लोग नीचे आ गए। जिस कारण महिला ने गेट बंद कर दिया। इसके बाद मनोज कुरील, उनका बेटा और अन्य लोग बाहर खड़े होकर गाली–गलौज करने लगे। घर के बाहर उनके लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो गई। इस दौरान एक शख्स सुशीला देवी के घर के गेट पर चढ़कर गया, गाली–गलौज करने लगा, धमकाने लगा। किसी तरह वह नीचे उतरा। इसके बाद चार–पांच लोग सुशीला देवी के घर के मेन दरवाजे को जोर–जोर से हिलाने लगे। इसके बाद कुछ लोग अंदर घुस गए। जो वीडियो में भी दिखाई दे रहा है। आरोप है कि उन्होंने महिला, उसकी बेटियों से मारपीट और अभद्रता की। सुशीला देवी के बेटे मोनू यादव से भी मारपीट की। आरोप है कि महिला को धमकाया और कहा यदि पुलिस में शिकायत की तो जान से मार दिया जाएगा। पूरे मामले का सामने वाले घर में मौजूद किसी शख्स ने वीडियो बना लिया। जो वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। मामले की जांच शुरू कर दी। वीडियो दीपावली की रात का है। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने बीजेपी नेता समेत उसके बेटे और समर्थकों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। एएसपी ने बताया है कि सुशीला देवी की तहरीर पर मनोज कुरील सहित 7 लोग नामजद और 20–25 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा।

सरयू में स्नान के दौरान डूबा तेलंगाना का युवक,जल पुलिस की टीम ने बचाई जान

अयोध्या। अयोध्या धाम में बुधवार दोपहर सरयू में स्नान कर रहे तेलंगाना के 35 साल के युवक को जल पुलिस ने बचा लिया। युवक श्रीकांत रेड्डी पुत्र राम रेड्डी निवासी यादम्मा जिला रंगरेड्डी जल बैरिकेटिंग के पार जाकर स्नान कर रहे थे। इस दौरान जल के तेज बहाव से गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने लगे। वह अपने चार दोस्तों के साथ घूमने आया था। इस समय ड्यूटी पर तैनात जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप मौर्य, कॉन्स्टेबल नित्यानन्द यादव,कॉन्स्टेबल मुन्ना कुमार यादव, कॉन्स्टेबल लालमणि व स्थानीय नाविक विजय मांझी, प्रदीप मांझी की टीम ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए बिना अपनी जान की परवाह किए तत्काल गहरे पानी में छलांग लगा दी। इस टीम ने रेस्क्यू कर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। टीम के इस कार्य को देखकर उनके परिवार के साथ स्थानीय लोगों ने जल पुलिस की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद किया। अयोध्या में जल पुलिस की तैनाती से अक्सर डूबते लोगों को बचाने में समर्थ होने के साथ लोगों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा मिलता है।

प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग में कार्यशाला एवं सीडीई आयोजित

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जियाउद्दीन अहमद डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग द्वारा क्राउन एंड ब्रिज के सहयोग से इंट्राओरल स्कैनर के उपयोग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया और बाद में 'पूर्ण मुँह पुनर्वास, निदान और उपचार योजना' विषय पर सतत दंत चिकित्सा शिक्षा (सीडीई) का आयोजन किया गया। डॉ. समृद्धि व्यास और डॉ. मोहम्मद समेह, वाणिज्यिक निदेशक, हिरोन आईओएस, 3 डीआईएससी, यूएसए ने इंट्राओरल स्कैनर के उपयोग पर एक लाइव प्रदर्शन दिया और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण का संचालन किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. पंकज खराडे ने कहा कि इंट्राओरल स्कैनर डेंटल क्लीनिकों में मरीजों के कामकाजी मॉडल तैयार करने के लिए नवीनतम पीढ़ी की डिजिटल इंप्रेशन बनाने वाली प्रणाली है। वे रोगी के लिए आरामदायक हैं, स्कैन करने में कम समय लेते हैं, संवेदनशील रोगियों में गैगिंग का कारण नहीं बनते और रोगियों के प्रयोगशाला मॉडल तैयार करने में शामिल चरणों की संख्या को कम करके न्यूनतम अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाइस्ता अफरोज ने कहा कि विभाग डिजिटल दंत चिकित्सा पद्धतियों में कौशल हासिल करके डिजिटल दंत चिकित्सा को अपनाने की योजना बना रहा है और यह प्रशिक्षण उन्नयन लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में पहला कदम है। सतत दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के दौरान, रिसोर्स पर्सन, प्रोफेसर रेखा गुप्ता, अध्यक्ष, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली ने विभिन्न स्थितियों जैसे जन्मजात, आघात के बाद या अन्य अधिग्रहित स्थितियों पर चर्चा की, जिनके लिए पूर्ण मुंह पुनर्वास की आवश्यकता होती है। उन्होंने रोगियों को पूर्ण रूप देने और कार्य क्षमता बहाल करने के लिए पुनर्वासित करने के लिए समय–परीक्षित और साथ ही नवीनतम उपचार प्रोटोकॉल पर चर्चा की। उन्होंने दीर्घकालिक पूर्वानुमान और परिणाम के लिए रोगी–विशिष्ट उपचार प्रोटोकॉल बनाने के महत्व पर जोर दिया। प्रोफेसर गीता राजपूत सीडीई कार्यक्रम की संयोजक थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेबा अंसार ने किया। बाद में, प्रोफेसर शाइस्ता अफरोज ने बताया कि विभाग द्वारा किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ से संबद्ध केंद्र कोक्रेन इंडिया नेटवर्क के सहयोग से 18 नवंबर को 'व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण पर प्रोटोकॉल विकास कार्यशाला' विषय पर एक सेमिनार और व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सभी स्तरों पर उन छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद होगा, जो शोध गतिविधियों में शामिल हैं। यह उन शिक्षकों के लिए भी फायदेमंद होगा जो क्षेत्र में नवीनतम विकास के साथ अपने कौशल को उन्नत करना चाहते हैं। प्रोफेसर बालेंद्र प्रताप सिंह (निदेशक, कोक्रेन इंडिया नेटवर्क), प्रोफेसर रघुवर दयाल सिंह (संकाय प्रभारी, डीएचआर–एमआरयू, सह–निदेशक, कोक्रेन इंडिया) और प्रोफेसर सुनीत कुमार ज्यूरेल (प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ) कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन होंगे।

मामा ने भांजी से मांगा किस विरोध करने पर मारपीट

बहराइच। जिले के एक गांव में मामा ने भांजी के रिश्ते को शर्मशार कर दिया। घर से बाहर जा रही भांजी पर मामा की नियत खराब हो गई। रिश्ते को शर्मसार करते हुए मामा ने किस मांग लिया। भांजी को यह बात बुरी लगी। जिसका उसने विरोध की। वही घर पहुंचकर अपनी मां से यह बात बताई। मां जब बेटी को ले जाकर विरोध जताया, तो मामा ने कुछ लोगों के साथ मारपीट कर गाली गलौज की। वहीं पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस से की। पुलिस पीड़िता के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरदी थाना क्षेत्र के एक गांव में दीपावली के दिन किशोरी पर उसके मामा की ही नियत बिगड़ गई। किशोरी के घर से बाहर जाते समय मन मचल गया। जिससे अपने ही भांजी से उल्टी सीधी बातें करते करते किस की फरमाइश कर दिया। किशोरी ने घर पहुंचकर सारी बातें अपने मां से बयां कर दी। मां आरोपी के करतूत से परेशान होकर जब घटना के बारे में पूछने का प्रयास की, तो आरोपी ने पूरे परिवार को धमकाते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिससे घबराकर किशोरी अपने मां समेत भागकर जान बचाई। पीड़िता ने थाने पर आरोपियों के खिलाफ शिकायत की। थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अयोध्या में 200 करोड़ से बनेगा लक्ष्मण पथ,गुप्तारघाट से राजघाट तक फोरलेन बनेगा

अयोध्या। अयोध्या में 200 करोड़ की लागत से बनेगा लक्ष्मण पथ के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। माना जा रहा है कि यह जल्द स्वीकृत होगा जिसके बाद अयोध्या धाम से गुप्तार घाट की दूरी न केवल कम होगी बल्कि पर्यटक और संत अनावश्यक भीड़ से बचकर एक दूसरी जगह आसानी से आवाजाही कर सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। इन सब के बीच अयोध्या की कनेक्टिविटी को भी लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। श्रीराम की नगरी में अलग–अलग पथों के जरिये फोर लेन कनेक्टिविटी प्रदान की जा 'रही है। इसमें अब एक नया नाम लक्ष्मण पथ का जुड़ने जा रहा है। इसके निर्माण की लागत करीब 200 करोड़ आंकी गई है। अयोध्या में राम पथ के निर्माण के साथ अब उनके छोटे भाई लक्ष्मण के नाम पर भी पथ बनेगा। इसके बाद जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ और न्याय पथ के बाद अब इस पथ का निर्माण भी प्रदेश की योगी सरकार कराने की तैयारी में जुट गई है। इस नये वैकल्पिक मार्ग निर्माण की भी पूरी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। डीएम नीतीश कुमार के अनुसार लक्ष्मण पथ गुप्तार घाट से राजघाट तक बनाया जाएगा। कार्यदाई संस्था प्रांतीय खंड लोनिवि की निर्माण इकाई द्वितीय के अधिशासी अभियंता एसपी भारती ने बताया कि यह पथ फोरलेन होगा। करीब 12 किलोमीटर लंबा यह पथ उदया हरिश्चंद्र घाट तटबंध के समानांतर प्रस्तावित है। तटबंध की चौड़ाई पहले छह मीटर थी, जिसे एक मीटर बढ़ाकर सात मीटर कर दिया गया है। इधर, लक्ष्मण पथ की चौड़ाई 18 मीटर तय की गई है। लगभग दो सौ करोड़ की लागत से प्रस्तावित इस वैकल्पिक मार्ग का डीपीआर शासन को प्रेषित कर दिया गया है और स्वीकृति की प्रतीक्षा है।

एएमयू के प्रोफेसर द्वारा इंडोनेशिया में व्याख्यान

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेएन मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद जियाउर्रहमान ने बाली, इंडोनेशिया में आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फार्माकोविजिलेंस (आईएसओपी) की 22वीं वार्षिक बैठक के दौरान इको–फार्माकोविजिलेंस पर एक विशेष सत्र में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने पर्यावरण पर चिकित्सीय और गैर–चिकित्सीय दवाओं के प्रभाव पर चर्चा की और वनस्पतियों और जीवों पर दवाओं के बाद के प्रभावों की कई रिपोर्टें साझा कीं। पारंपरिक दवाओं से प्रदूषित हो रहे पेयजल पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उप–सहारा अफ्रीका, दक्षिण एशिया और दक्षिण अमेरिका में संचयी सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) की उच्चतम सांद्रता देखी गई है। प्रो. रहमान ने कहा कि एक अध्ययन में, सभी महाद्वीपों के 104 देशों में 258 नदियों के किनारे 61 एपीआई के लिए 1052 नमूना साइटों की निगरानी की गई, जो 471.4 मिलियन लोगों के फार्मास्युटिकल फिंगरप्रिंट का प्रतिनिधित्व करते हैं और इन क्षेत्रों में सतह के पानी में दूषित पदार्थों की उपस्थिति पायी गयी जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक बार पाए जाने वाले एपीआई कार्बामाजेपाइन, मेटफॉर्मिन और कैफीन (जीवनशैली के उपयोग से उत्पन्न होने वाला एक यौगिक) थे, जो भोजन और पीने के पानी के स्रोतों में फार्मास्यूटिकल्स की उपस्थिति के साथ, निगरानी की गई आधी से अधिक साइटों पर पाए गए थे।

डॉ. रहमान, जो सोसाइटी फॉर फार्माकोविजिलेंस, इंडिया (एसओपीआई) के महासचिव हैं, वर्तमान में इको–फार्माकोविजिलेंस के साथ–साथ हर्बल और टीएम के विशेष रुचि समूह के लिए भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।उसी सम्मेलन में, फार्माकोलॉजी विभाग की डॉ. श्रीमेधा चौधरी (जेआर–तृतीय) ने बुजुर्ग मधुमेह रोगियों में मौखिक हाइपोग्लाइसेमिक दवाओं के एडीआर पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यक्रम

अलीगढ़। आदिवासी आइकन और महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर, देश के विकास में आदिवासियों के योगदान को याद करने के लिए, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में पोस्टर मेकिंग और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और एक वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग की गयी। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता 'आदिवासी सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित की गई। महविश खान, नाजमीन सुल्ताना और अनस रजा खान को क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान मिला जबकि ट्राई रामा बागस संजय को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। शिक्षा विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. नूरा अब्दुल कादर ने मुंडा जनजाति के प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी 'बिरसामुंडा का जीवन परिचय' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान एक प्रभावशाली आंदोलन का नेतृत्व करने में बिरसा मुंडा के प्रयास पर प्रकाश डाला। शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अंजुम अहमद ने नृवंशविज्ञान अनुसंधान के विभिन्न तरीकों और तकनीकों का वर्णन करते हुए 'नृवंशविज्ञान अनुसंधान का परिचय' विषय पर एक व्याख्यान दिया। अमोघ सहजे द्वारा आदिवासी जीवन पर 'अल्टरनिज्म' शीर्षक से एक वृत्तचित्र दिखाया गया और छात्रों को विभिन्न आदिवासी समूहों की अनूठी संस्कृति, इतिहास और धर्म को समझने के लिए 'भारत की जनजातियाँ' की एक वीडियो प्रस्तुति दी गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छब्बीस छात्रों ने भाग लिया, जिसे जरीन ने जीता। अफीफा असद और उजैर खान क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। शीरीन सलाम को सांत्वना पुरस्कार मिला।विभागाध्यक्ष प्रो. मुजीबुल हसन सिद्दीकी ने टीम के सदस्यों डॉ. नूरा अब्दुल कादर और डॉ. अंजुम अहमद की कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यों को व्यवस्थित किया।

लोहिया संस्थान के 13 ऑपरेशन थिएटर्स का होगा कायाकल्प,

स्थापना दिवस पर होंगे कई आयोजन, डॉक्टरों को किया जाएगा सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चिकित्सीय सुविधाओं को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने पर सरकार का जोर हैं। संस्थान में तमाम ओटी यानी ऑपरेशन थिएटर्स के एनुअल मेंटेनेंस को भी पूरा करने के निर्देश जारी किया गया हैं। इसके अलावा लोहिया अस्पताल से संबद्ध राम प्रकाश गुप्ता मेमोरियल मदर व चाइल्ड हॉस्पिटल में मेडिकल गैस सप्लाई सिस्टम की आपूर्ति को लेकर भी प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। साथ ही इस साल शासन की तरफ से डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में वार्षिक स्थापना दिवस पर तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को भी हरी झंडी मिल गई है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जिन ऑपरेशन थिएटर (ओटी) ग्रुप्स के कायाकल्प की प्रक्रिया की शुरुआत हुई है उनमें से 13 ओटी ग्रुप्स को वरीयता मिली है। ग्रुप ए के अंतर्गत पहले तल पर स्थित 4 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर्स, ग्रुप बी के तहत पहले और दूसरे तल पर 1–1 और तीसरे और चौथे तल पर 1–1 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर्स के कॉप्रिहेंसिव एनुअल मेंटिनेंस वर्क्स को पूरा किया जाएगा।वहीं, ग्राउंड फ्लोर पर स्थित 2 कन्वेंशनल ऑपरेशन थिएटर्स, दूसरे, तीसरे और चौथे तल पर स्थित एक–एक कन्वेंशनल ऑपरेशन थिएटर्स के एनुअल मेंटिनेंस व दुरुस्तीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इन ऑपरेशन थिएटर्स वॉल व सीलिंग के दुरूस्तीकरण, फ्लोरिंग, लेमिनार एयरफ्लो सिस्टम के दुरुस्तीकरण, स्लाइडिंग डोर्स की मरम्मत, स्क्रब यूनिट के लिए पीवीसी कनेक्शन, कंट्रोल पैनल, एक्स–रे व्यू बॉक्स, प्रेशर रिलीजिंग डैंपर समेत कई अपडेशन व मरम्मत कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। इनके पूर्ण होने से न केवल ऑपरेशन थिएटर्स की कार्यप्रणाली में सुधार आएगा बल्कि जटिल ऑपरेशन प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में आसानी होगी। डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल के अंतर्गत राम प्रकाश गुप्ता मेमोरियल मदर व चाइल्ड हॉस्पिटल में मेडिकल गैस सप्लाई सिस्टम की आपूर्ति को लेकर भी प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। जिन मेडिकल गैस सप्लाई सिस्टम की आपूर्ति होनी है उनमें ऑक्सीजन सप्लाई के लिए फुली ऑटोमैटिक गैस कंट्रोल पैनल, 15 प्लस 15 व 8 प्लस 8 सिलेंडर ऑक्सीजन व फ्लो असेंब्लिंग यूनिट को दुरुस्त किया जाएगा। वहीं, नाइट्रस ऑक्साइड सप्लाई सिस्टम, कॉम्प्रेस्ड एयर सिस्टम, वैक्यूम सिस्टम, डिस्ट्रिब्यूशन पाइप लाइन सिस्टम, बेड हेड पैनल्स, मास्टर अलार्म व आइसोलेशन वॉल्व्स की दुरूस्तीकरण प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए भी प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। इन सभी प्रक्रियाओं को ई–टेंडरिंग के जरिए एजेंसी निर्धारित करके पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में वार्षिक स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस कार्यक्रम के जरिए संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डॉक्टरों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जराहत विभाग में इंटरैक्टिव वैज्ञानिक सत्र का आयोजन

अलीगढ़। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के तिब्बिया कॉलेज के जराहत विभाग में पीजी सेमिनार में 'तिब्ब–ए–नबवी के संदर्भ में सर्जिकल रोगों की रोकथाम और प्रबंधन' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान यूनानी मेडिकल कॉलेज में मोआलीजात विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर नजर अब्बास ने तिब्बे नबवी में वैश्विक अनुसंधान प्रयासों पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर अब्बास ने सर्जिकल रोगों में पैगम्बरी औषधियों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुए तिब्बे नबवी की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अतिथि वक्ता, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर में यूनानी संकाय के पूर्व डीन प्रोफेसर एसएम हुसैन जाफरी ने मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में अंतर्दृष्टि साझा की। कार्यक्रम में एके तिब्बिया कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर बीडी खान और प्रोफेसर इकबाल अजीज शामिल थे। प्रो. खान ने तिब्बे नबवी को दैनिक जीवन में शामिल करने का आग्रह किया, जबकि प्रो. अजीज ने मानवता की सेवा के महान उद्देश्यों को अपनाने पर जोर दिया। जराहत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर तफसीर अली ने तिब्बे नबवी को बढ़ावा देने के लिए विभाग की पहल का वर्णन किया। डॉ. मोहम्मद तारिक ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में शिक्षकों और स्नातकोत्तर छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

मंडलीय कारागार में बहनों ने मनाई भैया दूज, चंदन का टीका लगाकर खिलाई मिठाई

गोण्डा। जिले के मंडलीय कारागार में धूमधाम से भैया दूज का त्योहार मनाया गया। भैया दूज को लेकर जेल प्रशासन ने सारी व्यवस्थाएं की थी। जिससे जेल के अंदर भैया दूज मनाने आने वाली बहनों को दिक्कत ना हो। कई महिलाओं ने गोंडा की मंडलीय कारागार में पहुंचकर जेल में बंद अपने भाइयों से मुलाकात की। उनको चंदन लगाकर और मिठाई खिला करके भैया दूज का त्योहार मनाया। जेल के अंदर भैया दूज का त्यौहार मनाने पहुंची साधना तिवारी, करिश्मा, रुचि और किरण ने बताया कि हम जेल में आए थे। यहां पर हमारे भाई बंद है और भैया दूज का त्योहार हमने मनाया है। किसी भी प्रकार की दिक्कत हम लोगों को नहीं हुई है। जेल प्रशासन द्वारा सारी व्यवस्थाएं की गई थी। भाइयों से हमारी मुलाकात हो गई है और हम लोग अच्छे से भैया दूज का त्योहार मनाया है। मंडलीय कारागार के अधीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मंडलीय कारागार में भैया दूज त्योहार को लेकर सारी व्यवस्थाएं की गई थी। एक दर्जन से अधिक बहनों ने जेल में बंद अपने भाइयों से मुलाकात की है और भैया दूज का त्योहार मनाया है। किसी भी प्रकार की दिक्कत बहनों को नहीं होने दी गई है। सारी व्यवस्थाएं की गई थी और कोई भी बहन बिना अपने भाई से मिले और भैया दूज का त्योहार मनाए जेल से वापस नहीं गई है। सभी बहनों को उनके भाइयों से मुलाकात करवा करके भैया दूज का त्योहार मनाया गया है। भैया दूज त्योहार को लेकर हम लोगों द्वारा विशेष रूप से व्यवस्था की गई थी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।